जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 378 प्रभात बीकानेर, सोमवार 10 अगस्त, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

मोजतबा खामेनेई को जिन्दा दिखाने के लिये ईरान ने वीडियो जारी किया

इज़रायली मीडिया के खामेनेई की बेहद गंभीर हालत के दावे के बाद उनकी सेहत को लेकर चर्चाएं बढ़ गई थीं

तेहरान, 09 अगस्त। इजरायली मीडिया की खबरें हैं कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच तेहरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने बिना तारीख वाला एक वीडियो जारी किया जिसमें वे अच्छी सेहत में दिख रहे हैं।

- पश्चिमी देशों से जुड़े सूत्रों के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली गाड़ी में खामेनेई से मिलाया गया था। कहते हैं कि खामेनेई बताया जाने वाला व्यक्ति पहले से पिछली सीट पर बैठा था। दोनों को एक -दूसरे को देखने व हाथ मिलाने से सुरक्षाकर्मियों ने मना किया था।

मोजतबा खामेनेई का यह वीडियो पहली बार सरकार से जुड़ी अर्ध-सरकारी ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने जारी किया। इससे पहले शुक्रवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी थी कि खामेनेई बेहद गंभीर हालत में हैं, जिससे उनकी सेहत और ठिकाने को लेकर अटकलें और बढ़ गईं।

खामेनेई ने, अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में मारे जाने के कुछ समय बाद सुप्रीम लीडर का पद संभाला था। पद संभालने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और केवल लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है।

खबरों में दावा किया गया है कि वे हमलों में घायल हो गए थे और तब से ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी अनिश्चितता को और बढ़ा दिया। उन्होंने सरकारी टीवी पर एक इंटरव्यू में कहा कि इस समय खामेनेई से सीधे संपर्क करना बहुत मुश्किल है।

पश्चिमी और विपक्ष से जुड़े सूत्रों ने दावा किया है कि उन्हें गंभीर चोटें आई थीं और तब से वे बातचीत के लिए लिखित बयानों और बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को तेहरान में एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई बताया गया।

इस मुलाकात की खबर ने ईरान के नए नेतृत्व से जुड़ी गोपनीयता पर और सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली एक गाड़ी की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई बताए जा रहे व्यक्ति पहले से ही बैठे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, गाड़ी की खिड़कियां ढ की हुई थीं और सुरक्षाकर्मियों ने दोनों व्यक्तियों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के जरिए ही बातचीत कर पाए।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बाद में पेजेशकियान ने इस बात पर सवाल उठाया कि मुलाकात के दौरान उन्होंने जो आवाज सुनी, वह असल में नए सुप्रीम लीडर की ही थी या नहीं।

एटीएस ने टोंक में दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया

टोंक, 9 अगस्त। पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से कनेक्शन जुड़े होने की संभावनाओं को लेकर प्रदेश की एटीएस और इंटेलिजेंस टीम ने टोंक शहर के दो युवकों को हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुफिया एंजेसियों को सूचना मिली कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का कनेक्शन शहर के दो संदिग्ध आरोपियों से है, जिसके बाद

- पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका।

एटीएस टीम ने इनपुट के आधार पर ट्रेस कर दबिश देकर कुम्हारों की चौकी निवासी एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जो धन्ना तलाई में ढ ाबा चलाता है।

एटीएस ने धन्ना तलाई निवासी बुरहान को भी हिरासत में लेकर आरोपियों के घरों पर दबिश दी। दोनों युवकों के बैंक अकाउंट संबंधी दस्तावेजों की जाचं की जा रही है तथा उनके एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक आदि भी जब्त किए गए हैं। एटीएस को आशंका है कि कहीं उनके खातों में पाकिस्तान से फंडिंग तो नहीं आ रही है। ऐसी कार्यवाही शहर में पूर्व में भी कई बार आतंकी संगठनों से कनेक्शन के मामले को लेकर की जा चुकी है।

केरल में राजकीय कार्यक्रमों से पहले वंदे मातरम् की दो पंक्तियां ही गाई जायेंगी

वंदे मातरम् पर केन्द्र के निर्देश और केरल सरकार के रुख से टकराव की स्थिति बनी

तिरुवनंतपुरम, 09 अगस्त। केरल में वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर विवाद गहरा गया है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा है कि राज्य सरकार के कार्यक्रमों में पहले की तरह केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाएंगी। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने भी पूरे गायन का विरोध किया है।

- केरल के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम् की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी।

यह विवाद मुख्य सचिव के उस पत्र के बाद सामने आया, जिसमें केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप वंदे मातरम के सामूहिक गायन की बात कही गई थी। वहीं, सीपीआई(एम) ने भी इस निर्देश को वापस लेने की मांग की है और राज्य सरकार पर आरएसएस के एजेंडे के आगे झुकने का आरोप लगाया है।

मुरलीधरन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी। वहीं, कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने कहा कि केरल में इस जीवनकाल में वंदे मातरम का पूरा गायन नहीं होगा। एक टीवी चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर मुख्य सचिव की ओर से किसी निर्देश की जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका पूरा गायन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा, भले ही नरेंद्र मोदी हमें गोली मारने की धमकी दें, तब भी वंदे मातरम का पूरा गायन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुरलीधरन और उन्नीथन की ये टिप्पणियां केरल के मुख्य सचिव विश्वनाथ सिन्हा की ओर से 6 अगस्त को जारी किए गए पत्र के बाद सामने आई हैं।

पत्र में कहा गया था कि "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत 2022 में शुरू किए गए अभियान के 2026 संस्करण को राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी समारोह के तीसरे चरण के साथ जोड़ा गया है। इस पहल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति ने मंजूरी दी थी।

निर्देश के अनुसार, इस अवधि के दौरान आयोजित होने वाले सभी प्रत्यक्ष कार्यक्रमों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन और राष्ट्रीय ध्वज फहराना या प्रदर्शित करना शामिल होगा। इसके अलावा, डिजिटल भागीदारी हर घर तिरंगा पोर्टल के माध्यम से की जानी है। इसके तहत नागरिक तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड कर सकते हैं।

रुस ने भारत को सीधे ट्रेन नेटवर्क का प्रस्ताव दिया

रुस की योजना है कि उसकी मालगाड़ियाँ तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान व पाकिस्तान होते हुए भारत पहुंचें

मॉस्को, 09 अगस्त। मध्य पूर्व में जारी सैन्य संघर्ष और समुद्री रास्तों पर बढ़ ते खतरों के बीच रूस ने एक ऐसा मास्टरप्लान सामने रखा है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार का पूरा नक्शा बदल सकता है। लाल सागर और मध्य पूर्व के समुद्री रास्तों में जहाजों पर मंडराते जोखिमों को देखते हुए रूस अब भारत और हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने के लिए जमीन पर रेल नेटवर्क बिछाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

- रुस के उपप्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने कहा कि इस रास्ते से समुद्री पायरेसी तथा सैन्य नाकेबंदी जैसे खतरों से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी तथा व्यापारिक जहाजों पर लगने वाला हफ्तों का समय बचेगा।

अगर यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर उतरती है, तो रूस से चलने वाली मालगाड़ियां तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते सीधे भारत तक पहुंच सकेंगी।

रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस को दिए एक इंटरव्यू में इस प्रस्तावित परियोजना से पर्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए रूस को नए और वैकल्पिक रास्तों को खोजना ही होगा।

मरात खुसनुलिन ने कहा, "हिंद महासागर तक रेल लिंक की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों के कारण हमें वैकल्पिक रास्तों की जरूरत है। तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरने वाले मार्ग इसके विकल्प हो सकते हैं। भारत तक पहुंच प्रदान करने वाला कोई भी व्यावहारिक विकल्प हमें स्वीकार्य होगा।"

यह प्रस्तावित नेटवर्क धरातल पर लागू होने के बाद रूस और भारत के बीच बिना किसी समुद्री रुकावट के सीधा मालगाड़ी संपर्क स्थापित कर देगा।

रूस का यह प्रस्ताव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे समुद्री रास्तों पर बढ़ता अभूतपूर्व संकट है। काला सागर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हर घर तिरंगा' से जुड़ें व विकसित भारत का संकल्प दोहरायें

नई दिल्ली, 09 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि विकसित भारत के निर्माण में

- प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की।

योगदान देने के हमें सामूहिक संकल्प को दोहराना चाहिए। उन्होंने खुशी जाहिर की कि इस वर्ष के प्रयास वंदे मातरम को समर्पित हैं और वह भी ऐसे समय में जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और राष्ट्र के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का निरंतर स्रोत है।

प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में संस्कृति मंत्रालय की अपील को साझा किया है। इसमें मंत्रालय ने अपील की है कि इस वर्ष इतिहास को अपनी तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनर्जी ड्रिंक्स पर अजीबो गरीब हंगामा

एनर्जी ड्रिंक लेबल को लेकर पेय कंपनियों और फूड सेफ्टी रैगुलेटर में टकराव

- जाल खंबाता -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अगस्त। सरकार के एक सूत्र के अनुसार भारत का फूड सेफ्टी रैगुलेटर (खाद्य सुरक्षा नियामक) ने कंपनियों की उस मांग को मानने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने 'एनर्जी ड्रिंक' का लेबल हटाने के लिए दी गई 90 दिन की समय सीमा को बढ़ाकर एक साल करने की मांग की थी। इस फैसले से इस उद्योग पर असर पड़ेगा।

- पैप्सिको, रैड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और मुकेश अंबानी की रिलायंस आदि कंपनियों को 90 दिन में एनर्जी ड्रिंक लेबल हटाने होंगे।
- इन कंपनियों ने लेबल हटाने के लिए एक साल का समय मांगा था। लेकिन फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने सख्ती से इनकार कर दिया।
- फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने कहा, अधिक कैफीन वाले पेय पर "एनर्जी ड्रिंक" शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

पेप्सिको, रेड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फूड रैगुलेटर के साथ टकराव चल रहा है। यह टकराव शराब, पेय और खाद्य कंपनियों द्वारा अपने उत्पादों की लेबलिंग के तरीके पर सख्त नियम लागू होने के कारण हो रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने जुलाई में इन कंपनियों को चुपचाप 90 दिन का समय दिया था कि वे अधिक कैफीन वाले पेय पदार्थों से 'एनर्जी ड्रिंक' या ऐसा ही कोई दूसरा नाम हटा दें। एफएसएसएआई का कहना था एसे उत्पादों के लिए कोई भारतीय स्टैण्डर्ड नहीं हैं और इस शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

यूरोमॉनिटर के अनुमान के अनुसार, भारत में एनर्जी ड्रिंक की खुदरा बिक्री हर साल 12.6 की दर से बढ़ रही है, जो अमेरिका और चीन से भी तेज है। 2018 से 2023 के बीच खुदरा बिक्री में हर साल लगभग 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और पिछले साल यह 90.7 करोड़ लीटर थी, लगभग 3 अरब से अधिक बोतलों या कैन।

सरकार के सूत्र ने कहा कि एफएसएसएआई समय सीमा बढ़ाने पर सहमत नहीं होगा, क्योंकि कई भारतीय राज्यों ने बताया है कि ऐसे पेय पदार्थों का मौजूदा स्टॉक 60 से 90 दिनों में बेचा जा सकता है। सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि यह फैसला अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

उद्योग के तीन सूत्रों के अनुसार, पेय कंपनियों ने इस फैसले को लागू करने के लिए कम से कम एक साल का समय मांगा है, क्योंकि बाजार में उनके लाखों कैन या बोतलें मौजूद हैं या आयात किए गए कैन के उनके ऑर्डर अभी लंबित हैं।

सरकार के अधिकारी ने कहा, कंपनियों ने इन्हें एनर्जी ड्रिंक के रूप में लेबल करके नियमों का उल्लंघन किया है। उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा है।

अधिकारी ने आगे कहा, उन्होंने एफएसएसएआई को यह नहीं बताया है कि किस राज्य में कितना स्टॉक पड़ा हुआ है, जबकि उन्हें ट्रेसेबिलिटी (उत्पाद का पता लगाने की क्षमता) सुनिश्चित करने के लिए इसे ट्रैक करना चाहिए था।"

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि बड़ी मात्रा में स्टॉक होने के कारण अलग-अलग राज्यों में मौजूद स्टॉक का हिसाब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को 60.70 लाख कांवड़िये हरिद्वार से रवाना हुए

हरिद्वार, 09 अगस्त। अब डाक कांवड़ यात्रा पर रवाना होने वाले शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है। इसके चलते हरिद्वार में आस्था का जनसैलाब देखने को मिल रहा है। 11वें दिन रविवार को शाम 6 बजे तक 60

- अब तक हरिद्वार से 3 करोड़ 80 लाख शिवभक्त गंगाजल लेकर देश के विभिन्न राज्यों के लिये रवाना हुए हैं।

लाख 70 हजार शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी और अन्य घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

मेला कंट्रोल रूम के अनुसार कांवड़ मेले के 11वें दिन रविवार को शाम 6 बजे तक 60 लाख 70 हजार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईएसआई द्वारा शहजाद भट्टी मॉड्यूल के जरिये 15 अगस्त को दिल्ली में आतंकी वारदात की आशंका

दिल्ली पुलिस तथा सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर

नई दिल्ली, 09 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस और तमाम केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अमृतसर पुलिस द्वारा पिछले हफ्ते गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान समर्थित आईएसआई आतंकी मॉड्यूल के दिल्ली कनेक्शन सामने आने के बाद स्पेशल सेल ने सक्रियता और बढ़ा दी है। इंटरनेट मीडिया पर नजर रखी जा रही है।

पाकिस्तान से आने वाली कॉल्स पर नजर रखी जा रही है। मुखबिर को अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को अंदेशा है कि आइएसआइ, शहजाद भट्टी माड्यूल का इस्तेमाल करके दहशत का माहौल पैदा करने के लिए 15 अगस्त से पहले दिल्ली में आतंकी वारदात करा सकती है।

पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त पूछताछ में आतंकी वंश कुमार ने ऑपरेशन दिल्ली और जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक आतंकी देव सिंह ने विशाल उर्फ गंगू को दिल्ली जाने का निर्देश दिया था। यात्रा का खर्च उठाने के लिए एक स्थानीय दुकानदार के जरिए दो हजार की व्यवस्था की गई थी।

25 जुलाई की शाम अमृतसर रेलवे स्टेशन पर वंश कुमार, विशाल, रोहित, देव सिंह और सुखदीप सिंह एकत्र हुए थे। वहां से सभी ट्रेन में सवार होकर नई दिल्ली आ गए थे। नई दिल्ली से वे सभी सीधे जंतर-मंतर आ गए थे।

- पंजाब पुलिस को गिरफ्तार आतंकी वंश कुमार से पूछताछ के दौरान जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश तथा ऑपरेशन दिल्ली के बारे में जानकारी लगी थी। जंतर मंतर से ही एक हैंडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया।

जंतर-मंतर पर उत्तर प्रदेश का रहने वाला एक अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति (जिसे पाकिस्तानी हैंडलर ने भेजा था) इन आतंकियों से मिला था।

संदिग्ध व्यक्ति ने इन आतंकियों को आठ कांच की बोतलें सौंपीं थी और जंतर-मंतर पर तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों, सेना और अर्धसैनिक बलों पर पेट्रोल बम से हमला करने के निर्देश दिए थे। जंतर-मंतर से ही एक हैंडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया था। उक्त सूचना के बाद स्पेशल सेल की एक टीम फिलहाल अमृतसर में डेरा डाले हुए है।

सेल की टीम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लेकर जंतर-मंतर तक के सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाल जांच में जुटी हुई हैं, ताकि आतंकियों और यूपी के संदिग्ध हैंडलर के दावों की पुष्टि की जा सके। पुलिस आतंकियों की गतिविधियों, उत्तर प्रदेश के संदिग्ध संपर्क, जंतर-मंतर पहुंचने के रूट तथा अन्य फोरेंसिक व तकनीकी साक्ष्यों को जुटाने में पंजाब पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है।

पटना, कलकत्ता, बॉम्बे व पंजाब को नये मुख्य न्यायाधीश मिलेंगे

नई दिल्ली, 09 अगस्त। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पटना, कलकत्ता, बॉम्बे और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के पद के लिए चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है।

- भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सिफारिश की

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया, "6 अगस्त 2026 को हुई सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धार में गुजरात के श्रद्धालुओं की बस दुर्घटनाग्रस्त, 6 की मौत

धार, 09 अगस्त। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में

- बड़ोदरा के श्रद्धालु महाकाल के दर्शन करके लौट रहे थे, जब गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रोले ने सामने से वैन को जोरदार टक्कर मारी।

सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उपदेश देना सरल है, उपाय बताना कठिन है। – टैगोर

क्या किताबें अब मशीनों के लिए हैं?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत तेज़ी से हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनती जा रही है। कल तक जो लोग इसके नाम से बिदकते थे, वे भी आज इसका उपयोग करने लगे हैं। इसकी क्षमताओं का कल्पनातीत विकास हुआ है और यह क्रम लगातार जारी है। इसी सिलसिले की कुछ घटनाएँ समय-समय पर अख़बारों की सुर्ख़ियाँ बनती हैं और चिंता भी पैदा करती हैं। हाल में एक समाचार आया कि ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के पुस्तक विक्रेताओं ने पुस्तकों की असामान्य ख़रीद को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ख़बर यह बाहर आई कि एक एआई कंपनी ऐसी स्कैनिंग सुविधाएँ देने वालों की तलाश में थी जो छह महीनों के भीतर पाँच लाख से बीस लाख तक किताबें स्कैन करके दे सकें। यह संख्या इतनी बड़ी है कि स्वाभाविक प्रश्न उठता है–कोई कंपनी इतनी बड़ी मात्रा में किताबें क्यों खरीद रही है, और क्यों उन्हें स्कैन करवाया जा रहा है।

ये समाचार पढ़ते हुए मुझे बचपन में सुना गया एक प्रसंग याद आया। कहा जाता था कि शाहजहां ने ताजमहल के कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे ताकि वे वैसा दूसरा ताजमहल न बना सकें। इतिहासकार इस कथा की पुष्टि नहीं करते, किंतु ज्ञान और सृजन पर एकाधिकार की मानसिकता को समझने के लिए इससे बेहतर प्रतीक शायद ही मिले।

इसी संदर्भ में चर्चा के केंद्र में है अमरीकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान एवं सुरक्षा कंपनीएंथ्रोपिककी एक गुप्त परियोजना–प्रोजेक्ट पनामा। सन 2021 में डारियोअमोदेई और डेनिएलाअमोदेई द्वारा स्थापित यह कंपनी अपने लोकप्रिय एआई सहायकक्लॉडके कारण दुनिया भर में जानी जाती है।क्लॉड आज ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के जेमिनी का प्रमुख प्रतिस्पर्धी है। प्रोजेक्ट पनामा की शुरुआत 2024 में हुई और कंपनी ने इसे जानबूझकर गोपनीय रखा। इस परियोजना के अंतर्गत उसने पुस्तक विक्रेताओं से बड़ी संख्या में पुरानी और सेकेंड हैंड किताबें खरीदीं। गूगल बुक्स से जुड़े रहे टॉमटर्वे इस परियोजना के प्रमुख बताए जाते हैं। उद्देश्य था–मानव द्वारा लिखित उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों का एक विशाल डेटाबेस तैयार करना, जिससे एआई को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके। एआई को लगातार प्रशिक्षित किया जाता है। उसे जितनी बेहतर सामग्री मिलती है, उसके उत्तर उतने ही स्वाभाविक और परिष्कृत होते जाते हैं। लंबे समय से यह शिकायत की जाती रही है कि उसकी भाषा कृत्रिम और किताबी लगती है। संभवत: उसी कमी को दूर करने के लिए यह परियोजना शुरू की गई।

लेकिन इस परियोजना का सबसे विचलित करने वाला पक्ष इसके बाद सामने आता है।

प्रोजेक्ट पनामा के अंतर्गत खरीदी गई पुस्तकों के आवरण हटाए गए, विशेष औद्योगिक कटरों से उनकी जिल्दें काट दी गईं, पन्नों को अलग किया गया और अत्याधुनिक स्कैनरों से प्रत्येक पृष्ठ को डिजिटल रूप में सुरक्षित कर लिया गया। इसके बाद उन पुस्तकों को नष्ट कर दिया गया। कंपनी ने इसे रीसाइक्लिंग कहकर अपनी पर्यावरण–सजगता का प्रमाण बताया। पर्यावरण तो बच गया, लेकिन पुस्तक अपनी जान नहीं बचा पाई। कागज़ पुनर्चक्रित हो गया, किंतु पुस्तक हमेशा के लिए समाप्त हो गई।

यहीं एक मूलभूत प्रश्न सामने आता है। एआई के लिए किताब क्या है?

एआई के लिए किताब ज्ञान का नहीं, डेटा का स्रोत है। उसके लिए प्रेमचंद का उपन्यास और टेलीफोन डायरेक्टरी दोनों समान रूप से डेटा हैं। मनुष्य ऐसा नहीं सोचता। उसके लिए पुस्तक केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती। उसमें लेखक का समय, समाज, अनुभव, संवेदना, भाषा, संस्कार और सांस्कृतिक स्मृति भी उपस्थित रहती है। मशीन शब्द ग्रहण करती है; मनुष्य अर्थ और अनुभव ग्रहण करता है। यहीं एक और प्रश्न उठता है। किताबें आख़िर किसके लिए होती हैं–पाठकों के लिए या मशीनों के लिए? और यह यक्ष प्रश्न भी कि एआई के पास इंटरनेट पर उपलब्ध अरबों–खरबों शब्द पहले से मौजूद हैं, तो फिर उसे किताबों की आवश्यकता क्यों पड़ रही है?

दरअसल, इंटरनेट और पुस्तक के बीच एक बुनियादी अंतर है। इंटरनेट तात्कालिक है। वहाँ अधूरी, अपुष्ट और क्षणभंगुर सामग्री की भरमार है। इसके विपरीत किसी पुस्तक का प्रकाशित होना एक लंबी बौद्धिक प्रक्रिया का परिणाम होता है। लेखक लिखता है, बार–बार संशोधन करता है, संपादक उसे परखता और सँवारता है, प्रकाशक जोखिम उठाता है, तब कहीं जाकर एक पुस्तक पाठकों तक पहुँचती है। यही कारण है कि सामान्यत: पुस्तकों की भाषा अधिक परिष्कृत, तर्क अधिक सुसंगत और तथ्य अधिक विश्वसनीय होते हैं। शायद इसी कारण एआई कंपनियाँ इंटरनेट से संतुष्ट नहीं हैं; वे पुस्तकों तक पहुँचने के लिए इतनी व्याकुल दिखाई देती हैं। वे भी समझ चुकी हैं कि अच्छी भाषा और गंभीर विचार का सबसे बड़ा स्रोत अब भी पुस्तकें ही हैं।

> **दरअसल, इंटरनेट और पुस्तक के बीच एक बुनियादी अंतर है। इंटरनेट तात्कालिक है। वहाँ अधूरी, अपुष्ट और क्षणभंगुर सामग्री की भरमार है। इसके विपरीत किसी पुस्तक का प्रकाशित होना एक लंबी बौद्धिक प्रक्रिया का परिणाम होता है। लेखक लिखता है, बार-बार संशोधन करता है, संपादक उसे परखता और सँवारता है, प्रकाशक जोखिम उठाता है, तब कहीं जाकर एक पुस्तक पाठकों तक पहुँचती है।**

यहीं से उन आशंकाओं को भी समझा जा सकता है जो लेखकों, प्रकाशकों और पुस्तक संरक्षण से जुड़े संगठनों ने व्यक्त की हैं। कोई व्यक्ति या कंपनी किसी पुस्तक को खरीदकर उसका वैधानिक उपयोग करे, यह उसका अधिकार है। इसलिए केवल किताबें खरीद लेना या उन्हें स्कैन करना अवैध नहीं है। वस्तुत:यह प्रश्न कानून का नहीं, ज्ञान–संस्कृति के भविष्य का भी है।चिंता का पहला कारण यह है कि इस प्रक्रिया में अनेक दुर्लभ अथवा अनुपलब्ध पुस्तकें हमेशा के लिए नष्ट हो सकती हैं। चिंता का दूसरा कारण यह है कि बहुमूल्य साहित्य एआई कंपनियों के निजी डेटाबेस का हिस्सा बन जाएगा, और पाठक की उस तक सीधी पहुँच नहीं होगी।

इसे इस प्रकार समझा जा सकता है। हमारे यहाँ लोकप्रिय ई–पुस्तकालयों की परियोजनाएँ हों या वैश्विक स्तर परप्रोजेक्ट गुटेनबर्ग, दोनों में पुस्तकों का डिजिटलीकरण किया जाता है। अंतर यह है कि वहाँ स्कैन की गई सामग्री इसके बाद भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहती है। कॉपीराइट संबंधी मुद्दों को अलग रख दें तो ऐसी परियोजनाएँ ज्ञान के प्रसार का माध्यम बनती हैं। पुस्तकालय–चाहे वे भौतिक हों या डिजिटल–ज्ञान को साझा करते हैं। इसके विपरीत एआई कंपनियाँ उसी ज्ञान को अपने निजी एल्गोरिद्म का हिस्सा बना लेती हैं। पुस्तकालय में पुस्तक पाठक को बेहतर बनाती है; यहाँ वही पुस्तक मशीन को बेहतर बनाती है। विडंबना यह है कि इस प्रक्रिया में पुस्तक स्वयं पाठक की पहुँच से दूर होती चली जाती है। एक तकनीक ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करती है, दूसरी उसी ज्ञान को निजी पूँजी में बदल देती है। अंतर बहुत छोटा दिखाई देता है, लेकिन उसके परिणाम अत्यंत दूरगामी हैं।

एक और गंभीर प्रश्न कॉपीराइट का है। प्रोजेक्ट पनामा और इसी प्रकार की अन्य परियोजनाओं के बारे में आरोप है कि वे सामान्यत: लेखकों या प्रकाशकों से अनुमति लेने की ज़हमत नहीं उठातीं। वे थोक के भाव पुस्तकें खरीदती हैं और उन्हें अत्याधुनिक तकनीक से तेज़ी से स्कैन कर लेती हैं। इतना ही नहीं, अनेक मामलों में उन पर पाइरेटेड प्रतियों के उपयोग के आरोप भी लगे हैं, जो न केवल अनुचित बल्कि गैरकानूनी भी हैं। एआई क्षेत्र की कई बड़ी कंपनियाँ आज लेखकों द्वारा दायर मुकदमों का सामना कर रही हैं।एंथ्रोपिक के विरुद्ध भी ऐसा ही एक मुकदमा चल रहा है, जिसमें लेखकों और प्रकाशकों ने लगभग डेढ़ बिलियन डॉलर के हर्जाने की माँग की है। दुनिया भर के लेखक यह नहीं कह रहे कि एआई पुस्तकों का उपयोग न करे। उनकी माँग केवल इतनी है कि यदि उनके लेखन से एआई को प्रशिक्षित किया जा रहा है, तो अनुमति, पारदर्शिता और उचित पारिश्रमिक भी सुनिश्चित किया जाए। प्रश्न तकनीक के विरोध का नहीं, रचनाकार के अधिकार और सम्मान का है।

इतिहास पर दृष्टि डालें तो पुस्तकों का विनाश कोई नई घटना नहीं है। अलेक्ज़ेंड्रिया के पुस्तकालय का विनाश, नालंदा की ज्ञान–संपदा का दहन, चीन में चिन शिहुआंग द्वारा पुस्तकों को जलाया जाना औरनाज़ी जर्मनी में पुस्तक–दहन–ऐसे अनेक उदाहरण इतिहास में मिलते हैं। किंतु उन सबके पीछे तत्कालीन सत्ता की यह इच्छा थी कि ज्ञान पर उसका नियंत्रण बना रहे। आज परिस्थिति भिन्न है, लेकिन आशंका कहीं अधिक सूक्ष्म है। अब पुस्तकों को जलाने की आवश्यकता नहीं है; उन्हें केवल अपने निजी उपयोग के लिए समेट लेना ही पर्याप्त है। पहले पुस्तकालय इसलिए बनाए जाते थे कि अधिक से अधिक लोग पुस्तकों तक पहुँच सकें। अब निजी डेटाबेस इसलिए बनाए जा रहे हैं कि एक मशीन अधिक से अधिक पुस्तकों तक पहुँच सके। इतिहास की यह कितनी बड़ी विडंबना है कि ज्ञान का केंद्र धीरे–धीरे मनुष्य से खिसककर मशीन की ओर जाता दिखाई दे रहा है।

यहीं भविष्य का सबसे गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है। आज एआई को मनुष्य द्वारा लिखी गई पुस्तकें पढ़ाई जा रही हैं। लेकिन दस–बीस वर्ष बाद यदि अधिकांश पुस्तकें स्वयं एआई लिखने लगे तो वह सीखेगा किससे? यदि मनुष्य का मौलिक लेखन कम होता गया और मशीनें अंतत: मशीनों के लिखे हुए से ही स्वयं को प्रशिक्षित करने लगीं, तो भाषा की ताजगी, विचारों की मौलिकता और रचनात्मकता का क्या होगा? क्या तब हम धीरे–धीरे ऐसी दुनिया में प्रवेश नहीं करेंगे जहाँ शब्द तो बहुत होंगे, पर अनुभव कम होते जाएंगे?

विडंबना देखिए कि आज एआई को अधिक मानवीय बनाने के लिए अंतत: मनुष्य द्वारा रचित पुस्तकों की ही शरण लेनी पड़ रही है। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि सृजन का मूल स्रोत अभी भी मनुष्य ही है, मशीन नहीं।किताबें केवल काग़ज़ के पन्नों का संठाह नहीं होतीं; वे किसी सभ्यता की स्मृति, किसी समाज की चेतना और मनुष्य के अनुभव का संचय होती हैं। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अधिक सक्षम और अधिक मानवीय बनाने के लिए हमें उसी मानवीय धरोहर को नष्ट करना पड़े, जिससे वह सीखना चाहती है, तो इसे तकनीकी प्रगति नहीं कहा जा सकता। यह हमारी सांस्कृतिक चेतना के लिए एक गंभीर चेतावनी होगी। प्रश्न एआई का नहीं है; प्रश्न उस नैतिक विवेक का है जिसके साथ हम उसे विकसित करना चाहते हैं। सवाल यह नहीं है कि एआई किताबें क्यों पढ़ रहा है; प्रश्न यह है कि भविष्य में किताबों का स्वामी कौन होगा–मनुष्य या मशीन?

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सुखमय लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ठ गुरुदेवों के देव महादेव से जुड़े रोचक रहस्य

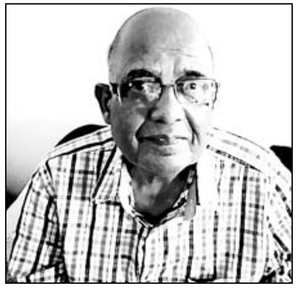

डॉ. जे.के. गर्ग

परिवार संतुलन की पारिवारिक सुखों का मूल आधार

'हम दो हमारे दो एवं छोटा परिवार सुखी परिवार' का शाश्वत प्रतीक है शिवजी के दो पुत्र गणेश एवं कार्तिकेय हैं। सुखी और सम्पन्न परिवार वाले मुखिया का सबसे बड़ा गुण यह होना चाहिये कि वह अपने सुख से अधिक अपने परिजनों के सुख की चिन्ता करे और इसके निमित्त खुद की सुख सविधा त्याग करे। मनुष्य के जीवन में तीन मूल जरूरतें रोटी, कपड़ा और मकान ही होते है। भगवान शिव ने इन तीनों ही चीजों की समस्त सुविधाएं अपने परिवार को देकर, स्वयं सात्विक जीवन अपनाया है। उन्होंने परिवार के लोगों के लिए नाना प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों, बहुमूल्य वस्त्रों और भव्य भवनों की व्यवस्था की है। उनका अपना आहार बना आक, धतूरा, बेल पत्र, वस्त्र बना बाघम्बर और निवास स्थान बनी श्मशान भूमि। जिस परिवार में दिन-रात कलह मची हो, ईर्ष्या, द्वेष, वैर, स्पर्धा का बोल बाला हो, वह परिवार नर्क बन जाता है। स्वर्ग वहाँ है जहाँ एकता, प्रेम और शांति हो।

अब देखिये शिव का वाहन बैल, माता उमा का वाहन सिंह, शिव का कंठहार सर्प, श्री गणेश का वाहन मूषक और कार्तिक का वाहन मयूर। सब आपस में एक दूसरे के पुश्तैनी जानी दुशमन है। मगर वाह रे शिव का प्रताप! सबको प्रेम और एकता के ऐसे धागे में बांध रखा है कि वे आपस में हिलमिल कर रहते हैं। सर्वमान्य और सर्वोच्च निर्णय शांत चित्त ठण्डे दिमाग से ही लिये जा सकते हैं। महादेव के मस्तक पर चंद्रमा और गंगा का होना इस बात का संकेत है कि मस्तिष्क और दिमाग को सदा शीतल रखो। भोले नाथ तामसी प्रवृत्ति का त्याग और अपने अंतर्मन से पूर्ण नीतियों का बहिष्कार करने, दीन हीनों, सेवक दास को प्रेम और आदर प्रदान करने का भी एक अनूठा उदाहरण स्थापित किया। चित्त की एकाग्रता के लिये ध्यान विशुद्ध भारतीय वैज्ञानिक पद्धति है। भगवान शिव का ध्यान मग्न होना यह प्रकट करता है कि उनका अधिकांश समय परिवार एवं जगत के कल्याण के चिंतन करने में बीतता है। परिवार संतुलन की पारिवारिक सुखों का मूल आधार है। नीलकंठ महादेव हम शिव की उपासना भक्ति करते हुए सुखमय स्वस्थ जीवन का आनन्द लेने के लिए उनके गुणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और उसी के अनुरूप जीवन जीना चाहिए।

सनातन धर्मी फाल्गुन के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी यानी 11अगस्त 2026 को शिवरात्रि धूमधाम से मनाएंगे। फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को ही शिवरात्रि क्यों मनाई जाती है? धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ऐसा माना जाता है कि सृष्टि की रचना इसी दिन हुई थी। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन चतुर्दशी की अद्धर्रात्रि में भगवान शंकर लिंग के रूप में अवतरित हुए। चतुर्दशी तिथि के महानिशीथ काल में महेश्वर के निराकार ब्रह्म स्वरूप प्रतीक शिवलिंग का अविभार्व होने से भी यह तिथि महाशिवरात्रि के नाम से जानी जाती है। कहा जाता है कि शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और आदिशक्ति का विवाह हुआ था। मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान कालकेतु विषनिकला था। भोले नाथ को सांसारिक होते हुये भी श्मशान का निवासी बोला जाता है इसके पीछे भी लाइफ मैनेजमेंट का महत्वपूर्ण रहस्य छिपा है।

जानिये कैसे? सच्चाई तो यही है कि संसार मोह-माया का प्रतीक है वहीं दूसरी तरफ श्मशान वैराग्य का प्रतीक है। संसार में रहते हुए भी आदमी को किसी से मोह नहीं रखते हुए अपने कर्तव्य पूरे करने के साथ-साथ एक बैरागी की तरह जीना चाहिये। मन के अंदर सवाल उठता है कि शिवलिंग मंदिरों में बाहर क्यों होता है? निसंदेह भोलेनाथ जन साधारण के देवता हैं, इसीलिए भोलेनाथ वहां रहते हैं जहाँ छोटे-बड़े, जवान-बुजुर्ग आसानी से पहुंच सके। इसी मान्यता के कारण शिवलिंग को मन्दिरों में बाहर ही स्थापित किया जाता हैं। इसी वजह से शिवजी अकेले ही वो देव हैं जो गर्भ गृह में भक्तों को दूर से ही दर्शन देते हैं। शिवजी को भोग लगाने और अर्पण करने के लिए कुछ भी नहीं हो तो भक्त उन्हें पत्ता, फूल,याअंजलि भर के भोले नाथ को खुश कर सकता और उनकी पूजा-अर्चना कर सकता है। आईये जाने भोलेनाथ शिवजी की पूजा-अर्चना में बेलपत्र और जल क्यों चढ़ाया जाता है? निसंदेह बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है और इसलिए शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाए बिना शिव की पूजा को पूर्ण नहीं माना जाती है।

ध्यान देने योग्य बात है कि कहीं बेलपत्र में तीन पतियों को तीन आदि ध्वनियां जिनकी सम्मिलित गूंज से ऊं बनता है का प्रतीक माना गया है। बेलपत्र की इन तीन पत्तियों को महादेव त्रिनेत्र और भोलेनाथ के हथियार त्रिशूल का भी प्रतीक माना जाता है। भांग-धतूरे को भगवान शिवजी पर क्यों चढ़ाया जाता है? भोले नाथ को आक, धतूरा, भांग आदि शिव को चढ़ाने की जो परिपाटी है, उसके पीछे यही तथ्य छिपा है कि प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति के अंदर अच्छे-बुरे दोनों पहलू होते हैं, इन नशीले और विषाक्त पदार्थों को शिव को अर्पित करने का अर्थ हुआ उनके द्वारा शिव-शुभ (औषधीय गुण) को स्वीकार करना किन्तु उनकी अशुभ-व्यसनप्रवर्ती का त्याग कर देना। लाइफ मैनेजमेंट के अनुसार, भगवान शिव को भांग धतूरा चढ़ाने का अर्थ है अपनी बुराइयों को भगवान को समर्पित करना। ऐसा करने से भगवान की कृपा आप पर बनी रहेगी और जीवन सुखमय होगा। आदिकाल से लाइफ मैनेजमेंट के सर्वश्रेष्ट गुरु भोलेनाथ से जुड़े रोचक रहस्य पार्ट-5 शिवजी केवल मृगछाल ही क्यों धारण करते हैं? निसंदेह समाज में वो ही व्यक्ति वंदनीय होता हैं जो अपरिग्रही हो जिसके जीवन संसार में शांति स्थापित करने के लिए हो। महावीर स्वामी से हजारों साल पहिले भोलेनाथ ने अपरिग्रही बनने का सन्देश देते हुए खुद के शरीर पर मात्र मृगछाल धारण किया क्योंकि केवल मृगछाल धारण करना अपरिग्रह का प्रतीक है। निसंदेह शिव सर्व समाज के सर्वमान्य देवता हैं। शिवरात्रि व्रत मनाने का अधिकार ब्राह्मण से लेकर चंडाल तक सभी को है। भोले बाबा के लिए सब एक समान हैं। भगवान शिव महायोगी भी कहलाते हैं, उन्होंने योग साधना के द्वारा अपने जीवन को पवित्र कियाहै, वे असीमित गुणों के अक्षय भंडार हैं।

देवों के देव महादेव का वाहन नंदी बैल क्यों? जहाँ बैल को खामोश एवं उत्तम चरित्र समर्पण भाव वाला बताया गया है, वहीं दूसरी तरफ बैल बल और शक्ति का भी प्रतीक है। बैल जब क्रोधित होता है तो सिंह से भी भिड़ लेता है। जिस तरह गायों में कामधेनु को श्रेष्ठ माना जाता है उसी प्रकार बैलों में नंदी श्रेष्ठ है। शिवरात्री के पावन पर्व हम सभी सनातन धर्मी भारत वाशी संकल्प लें कि हम समाज के विभिन्न धर्मालंबी लोगों के साथ मिलजुल कर रहेंगे एक-दूसरे का सम्मान करके प्रेम पूर्ण समंध बनायेंगे। समाज के अंदर ऊँच नीच का भेदभाव मिटाने के लिये काम करेंगे। आदिकाल के सर्वश्रेष्ट मेनेजमेंट गुरु भोलेनाथ अपने परिवार के अंदर निवास करने वाले विपरीत स्वभाव वालों के साथ प्रेमपूर्वक रहते हैं तो हम विभिन्न धर्मों के अनुयायियों हिदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, फ़ारसी, जैन देशवासियों को साथ लेकर क्यों नहीं जीवन व्यापन कर सकते हैं? सही मायने में भगवान शिव की सच्ची पूजा आराधना तभी होगी जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन के अंदर धारण करके मिलजुल कर प्रेमपूर्वक एक परिवारकी भातीं रहगें। ॐनम: शिवाय, ॐ नम: शिवाय,ॐ नम: शिवाय परिवार संतुलन की पारिवारिक सुखों का मूल आधार है। 'हम दो हमारे दो एवं छोटा परिवार सुखी परिवार' का शाश्वत प्रतीक है। शिव जी के दो पुत्र गणेश एवं कार्तिकेय हैं। सुखी और सम्पन्न परिवार के मुखिया का सबसे बड़ा गुण यह होना चाहिये कि वह अपने सुख से अधिक अपने परिजनों के सुख की चिन्ता करे और इसके निमित्त खुद की सुख सविधा का त्याग करे। मनुष्य के जीवन में तीन मूल जरूरते–रोटी, कपड़ा और मकान ही होते है।

'सनातन धर्मी भगवान की साकार और निराकार रूप भक्ति भाव के साथ पूजा-अर्चना, आराधना करते हैं। साकार रूप में शिव जी की देवों के देव महादेव नीलकंठ महादेव, भोले नाथ आदि रूपों में पूजा-अर्चना करते है। शिव जी के मस्तक पर अर्ध चन्द्रमा दर्शाता है कि अर्ध चन्द्रमा धीमे-धीमे अपने आकार मे विस्तार करके पूर्णिमा को विशाल आकार प्राप्त करके समस्त धरती के प्राणियों को शीतलता स्नेह प्रेम का अमृत पान करवाता है। इसीलिए मनुष्य को महादेव के निराकार रूप में पूजा-अर्चना करते हुए जीव निर्जीव पेड़-पौधे मे सदेव उपस्तिथि भगवान शिव को अनुभव करना चाहिए और शिव बन की प्रत्येक वस्तु मे शिव ही उपस्थित है ऐसा मान कर उनकी इस विराट स्वरूप को प्रतिक्षण देखना चाहिए और शिवमय बन जाना चाहिए, ऐसा करने पर हम सभी के अंदर शिव को देखगें और सभी को अपना स्नेह प्यार सम्मान दे कर खुद का और लोगो का जीवन सुखमय मनाने में सफल होंगे। शिव शिव का निरंतर स्मरण करें। हम शिव की उपासना भक्ति करते हुए सुखमय स्वस्थ जीवन का आनन्द लेने के लिए उनके गुणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और उसी के अनुरूप जीवन जीना चाहिए। नीलकंठ महादेव की स्तुति उनके मन्त्र ॐ शिवाय नम: ॐ त्रिनेत्राय नम: .ॐ इन्द्रमुखाय नम: ॐ श्री कंठाय नम: से निरंतर करना चाहिए।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

हिंदी और राजस्थानी साहित्य में प्रो. कुन्दन माली का साहित्यिक अवदान अतुलनीय

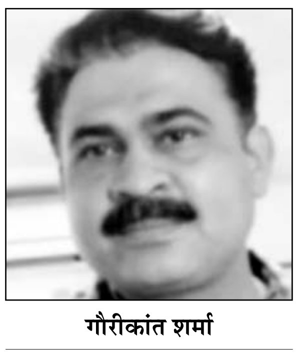

गौरीकांत शर्मा

प्रदेश के समकालीन साहित्यकारों की अग्रिम पंक्ति में गिने जाने वाले उदयपुर के वरिष्ठ कवि, अनुवादक, आलोचक एवं सम्पादक प्रो. कुंदन माली का साहित्यिक अवदान हिंदी एवं राजस्थानी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। प्रो. माली को केंद्रीय साहित्य अकादमी का सर्वोच्च राजस्थानी साहित्य पुरस्कार के अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी तथा राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, गुजरात हिंदी अकादमी सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। वे गुजरात विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त हुए, लेकिन हिन्दी और राजस्थानी दोनों भाषाओं में समान अधिकार के साथ उत्कृष्ट लेखन कर उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उन्हे राजस्थानी में आलोचना को स्थापित करने का श्रेय प्राप्त है। साथ ही कविता, अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने राजस्थानी साहित्य अकादमी की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका 'मधुमती' के आलोचना विशेषांक के संपादन सहित कुल 14 अंकों के संपादन के साथ ही अनेक संपादकीय दायित्वों का सफल निर्वहन किया है। अंग्रेजी से हिंदी तथा गुजराती से हिंदी में किए गए अनुवादों ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान दिलाई।

प्रो. माली के बारे में यह चर्चा इसीलिए समीचीन है कि हाल ही में उनके व्यक्तित्व एवं बहुआयामी साहित्यिक अवदान पर केन्द्रित पुस्तक 'निज के भीतर निज से इतर' का लोकार्पण हुआ, जिसमें समय-समय पर देशभर में प्रकाशित आलेखों, टिप्पणियों एवं समालोचनाओं के संकलन के साथ ही अनेक नामचीन साहित्यकारों द्वारा उनके व्यक्तिव व कृतित्व पर लिखे गए लेखों का संग्रह किया गया है। प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण उनके बारे में कहते हैं कि प्रो. कुन्दन माली का साहित्य मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक सरोकारों और जीवन मूल्यों का सशक्त दस्तावेज है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्य को समाज से जोड़ते हुए नई वैचारिक दृष्टि प्रदान की है। श्रीनाथद्वारा के वरिष्ठ साहित्यकार माधव नागदा भी कमोबेश यही राय रखते हैं। वे कहते है कि कुंदन माली के आलोचनात्मक लेखन ने साहित्य को नई दिशा और गंभीर वैचारिक आधार प्रदान किया है। माली का रचना संसार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। इसी प्रकार बीकानेर के वरिष्ठ साहित्यकार नीरज दइया के अनुसार प्रो. माली का व्यक्तित्व जितना सहज है, उनका साहित्य उतना ही गहन और व्यापक है। हिंदी एवं राजस्थानी के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. माधोसिंह इन्दा कहते हैं कि प्रो. माली का लेखन जीवन, समाज और संस्कृति के गहरे सरोकारों को अभिव्यक्त करता है तथा नई पीढ़ी को गंभीर साहित्य सृजन की प्रेरणा देता है। इसी प्रकार उदयपुर की डॉ. मंजु चतुर्वेदी और बीकानेर के डॉ. मदन गोपाल लड्ढा प्रो. माली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित पुस्तक निज के भीतर निज के इतर का जिक्र करते हुए इसकी विषयवस्तु को साहित्य जगत की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हैं।

बकौल पुस्तक के संपादक मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय राजस्थानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी, यह ग्रंथ डॉ. कुन्दन माली के समग्र साहित्यिक अवदान को एक स्थान पर प्रस्तुत करने का विनम्र प्रयास है। प्रो. माली नवोदित साहित्यकारों को आगे लाने में विशेष रूचि रखते हैं। उनके द्वारा प्रेरित कई युवा आज साहित्य के क्षेत्र में अच्छा योगदान कर रहे हैं। प्रो. माली उदयपुर के एक किसान परिवार से आते हैं लेकिन अपने गंभीर एवं स्तरीय लेखन के बल पर साहित्य के क्षितिज पर नक्षत्र की भांति चमक रहे हैं। निज के भीतर निज से इतर पुस्तक उस चमक को और बढ़ाने का कार्य करेगी।

गौरीकांत शर्मा, उप निदेशक,
सूचना एवं जनसंपर्क,
उदयपुर।

वोट आपका, भविष्य गांव-शहर का

आगामी ग्रामीण और शहरी चुनाव में आइए, कसम खाएं। न जाति पर वोट देंगे, न बिरादरी पर। वोट देंगे तो सिर्फ विकास पर। क्योंकि आपका एक वोट, आपके गांव-शहर को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाकर विकास की नई दिशा दे सकता है। लोकतंत्र का असली पर्व अब नजदीक है। गांव की पंचायत से लेकर शहर की नगरपालिका तक, सरपंच-पंच से लेकर पार्षद-चेयरमैन, एमपीएस, जिला परिषद सदस्य से लेकर प्रधान और जिला प्रमुख तक सभी के चुनाव होने वाले हैं।

लेकिन सवाल ये है-क्या हम फिर वही गलती दोहराएंगे? क्या फिर जात-बिरादरी, भाई-भतीजावाद और पैसे के लालच में वोट देकर 5 साल पछताएंगे? या इस बार ठानेंगे कि "विकास चाहिए, भ्रष्टाचार नहीं"। जैसे जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, उम्मीदवार घर-घर दस्तक देंगे। हर कोई बड़े-बड़े सपने दिखाएगा। कोई मोदी के नाम पर वोट मांगेगा। कोई मोदी और भाजपा की बुराई करके स्थानीय मुद्दे गिनाएगा। झूठे वादों और राष्ट्रीय नेताओं के नाम पर आपको अपना कीमती वोट नहीं गंवाना है।

याद रखिए आपके गांव की नाली, सड़क, पानी बिजली और स्कूल का जिम्मा उसी चुने हुए जनप्रतिनिधि का है। डिजिटल इंडिया के दौर में हमें "शिक्षित, ईमानदार और बेदाग छवि" वाले युवा चाहिए जो नए आइडिया से नवाचार कर गांव-शहर को भ्रष्टाचार मुक्त कर विकास की राह पर ले जाएं। ना कि चुनाव जीतकर सफाई बिजली सड़क के टेंडर पाने के लिए अपने सेवा के इमान को भूला कर ठेकेदार बन जाए और कमाई करने में लग जाएं। ध्यान रखें बिना ज्ञान वाला प्रतिनिधि 5 साल सिर्फ कुर्सी तोड़ेगा।

■ अबकी बार चुनें ईमानदार, शिक्षित और बेदाग चेहरा

पंचायत और नगरपालिका लोकतंत्र की सबसे छोटी और सबसे मजबूत इकाई होती है। वोट देने से पहले एक बार जरूर मंथन करें और सोचें अगर जड़ में ही दीमक लग जाएगी तो पेड़ कैसे हरा होगा? चुनाव आते ही जाति के नाम पर, रिश्तेदारी के नाम पर, शराब और पैसों के नाम पर वोट मांगे जाते हैं। और जीतने के बाद वही लोग विकास के पैसों को अपनी जेब और अपने चहेतों तक सीमित कर देते हैं। नतीजा 5 साल तक जनता सिर्फ वादे सुनती रह जाती है।

डिजिटल इंडिया का जमाना है। अब गांव में भी इंटरनेट है, मोबाइल है, जानकारी है। अब जरूरत है ऐसे प्रतिनिधियों की जो:शिक्षित हों ताकि सरकारी योजनाओं को समझकर उसका लाभ जनता तक पहुंचा सकें । युवा हों और नए आइडिया वाले हों जो परंपरागत तरीके से हटकर नवाचार करें। एक युवा सरपंच पूरे गांव को वाई-फाई से जोड़ सकता है। एक ईमानदार पार्षद शहर को कचरा मुक्त बना सकता है। इसलिए अबकी बार वोट देते समय ये 3 बातें याद रखें। चुनाव के दिन बटन दबाने से पहले खुद से ये 3 सवाल पूछें क्या यह व्यक्ति शिक्षित है और समस्या को समझता है। डिग्री नहीं, सोच और समझ देखें। क्या वो गांव-शहर की मूलभूत समस्याओं पर बोलता है? क्या इसकी छवि बेदाग है? क्या इस पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं? क्या ये सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करेगा या पूरे वार्ड/गांव के लिए? क्या इसके पास विकास का विजन है? सिर्फ वादे नहीं, प्लान पूछें। गांव और शहर का भाग्य 5 साल के लिए आप 1 दिन में तय करते हैं। अगर इस बार भी हमने जाति और भाई-भतीजावाद में वोट दिया, तो अगले 5 साल तक भ्रष्टाचार और अविकास को कोसते रहेंगे। लेकिन अगर इस बार हमने एकजुट होकर योग्य, ईमानदार और शिक्षित युवा को मौका दिया, तो यकीन मानिए – आपका गांव "आदर्श गांव" बन सकता है और आपका शहर "स्मार्ट सिटी"।

आगामी ग्रामीण और शहरी चुनाव में आइए, कसम खाएं। न जाति पर वोट देंगे, न बिरादरी पर। वोट देंगे तो सिर्फ विकास पर। क्योंकि आपका एक वोट, आपके गांव-शहर को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाकर विकास की नई दिशा दे सकता है।

मुकेश सोनी, वरिष्ठ पत्रकार।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 10 अगस्त, 2026

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, आर्द्रा नक्षत्र दिन 12:27 तक, वज्र योग रात्रि 10:27 तक, तैतिल करण प्रात: 8:01 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:43 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा रात्रि 4:35 से आरम्भ होगी। आज सोम प्रदोष व्रत, दूसरा सावन वन सोमवार व्रत है। आज त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 2:38 तक, शुभ 9:16 से 10:54 तक, चर 2:10 से 3:49 तक, लाभ-अमृत 3:49 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:05

मेष
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

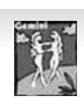

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन: स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

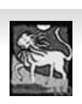

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

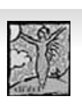

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बन सकती है।

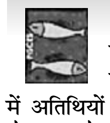

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

देशभक्ति के नारों के साथ हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का आव्हान

बीकानेर, (कासं)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को जिला मुख्यालय पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर निशांत जैन प्रभात फेरी में शामिल हुए।

प्रभात फेरी महारानी कन्या विद्यालय से रवाना होकर एम.एन. हॉस्पिटल, हनुमान हत्था एवं जूनागढ़ होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों एवं राष्ट्रप्रेम के संदेशों के साथ आमजन को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का आव्हान किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर निशांत जैन ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता, गौरव और बलिदान का प्रतीक है।

बीकानेर कलेक्टर निशांत जैन हर घर तिरंगा अभियान प्रभात फेरी में शामिल हुए। उनके साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारियों, विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया।

- **जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक जिला, नगरीय निकाय, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है**

हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ना है। उन्होंने जिलेवासियों से अभियान के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों अधिकाधिक सहभागिता करने तथा अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने का आव्हान किया। जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक जिला, नगरीय निकाय, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

10 अगस्त को दोपहर 1 बजे तिरंगा बाइक, ई-बाइक एवं साइकिल रैली आयोजित होगी। यह रैली अम्बेडकर सर्किल से गांधी पार्क होते हुए जिला कलेक्ट्रेट तक जायेगी। 11 एवं 12 अगस्त को जयनारायण व्यास कॉलोनी स्थित ग्रामीण हाट में सुबह 9 से शाम 6 बजे तक तिरंगा प्रदर्शनी एवं मेले का आयोजन होगा। इसमें तिरंगे के महत्व पर आधारित फोटो एवं वीडियो प्रदर्शनी, हस्तशिल्प, हाथ से तिरंगा निर्माण, राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत तथा स्थानीय उत्पादों से जुड़ी गतिविधियां होंगी। 13 एवं 14 अगस्त को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी। साथ ही जिला एवं पंचायत स्तर पर विभाजन विषयक प्रदर्शनियों एवं फिल्मों का प्रदर्शन होगा।

शहर भाजपा अध्यक्ष सुमन छाजेड़, सत्यप्रकाश आचार्य, अशोक प्रजापत, श्याम सिंह हाडला, चंपालाल गेधर, मुकेश ओझा, सुनीता हटीला, राधा खत्री, रामकुमार व्यास, राजाराम सिंगड़ समेत अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला परिषद शैलजा पांडेय, निगम और बीडीए कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी, एसडीएम बीकानेर आईएएस सुश्री महिमा कसाना, आईएएस मनु गर्ग, प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी नितिन गोयल, सीडीईओ महेन्द्र शर्मा, डीईओ माध्यमिक रामगोपाल शर्मा, डीईओ प्रारंभिक के. डी. चारण, एसीईओ ऋतुराज महला, राजीविका डीपीएम दिनेश कुमार मिश्रा, जिला परिषद आईईसी कॉर्डिनेटर गोपाल जोशी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

कुत्तों के हमले में हिरण घायल

कक्कू, (कासं)। कक्कू क्षेत्र के दावा गांव में रविवार को कुत्तों के झुंड ने एक हिरण पर हमला कर उसे घायल कर दिया। खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने हिरण की चीख सुनकर तुरंत मौके पर पहुंचकर कुत्तों को भगाया और हिरण को बचाया।

स्थानीय लोगों नं बताया कि रविवार सुबह किसान भंवरलाल और उदाराम गोदारा खेतों में काम कर रहे थे। उन्हें हिरण की आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखा तो कुत्तों का झुंड हिरण पर हमला कर रहा था। इसी दौरान सोमलसर गांव के स्कूल के वाइस प्रिंसिपल पप्पूनाथ योगी भी मौके पर पहुंचे, जो छुट्टी पर अपने गांव दावा आए हुए थे।

भंवरलाल, उदाराम गोदारा और पप्पूनाथ योगी ने मिलकर कुत्तों को भगाया और घायल हिरण को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद करणाराम और जगदीश की मदद से हिरण को घर लाया गया। हिरण के घायल होने की सूचना वन्यजीव प्रेमी बजरंग को दी गई, जिन्होंने प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की।

प्राथमिक उपचार के बाद घायल हिरण को आगे के इलाज और देखभाल के लिए रेस्क्यू सेंटर पहुंचाया गया। पप्पूनाथ योगी ने अपने निजी वाहन से हिरण को रेस्क्यू सेंटर तक पहुंचाया। ग्रामीणों और वन्यजीव प्रेमियों के सहयोग से हिरण को समय पर उपचार मिल सका।

सार-समाचार

सम्मेलन में व्यापार, उद्योग, कर व्यवस्था पर मार्गदर्शन दिया

बीकानेर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के सम्मेलन में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित 45वें व्यापारी दिवस के अवसर पर व्यापारी सम्मेलन का आयोजन कंस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सम्मेलन में व्यापार, उद्योग, कर व्यवस्था, डिजिटल अर्थव्यवस्था तथा व्यापारियों से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर मार्गदर्शन किया। सम्मेलन में देशभर से आये व्यापारियों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष मोहन सुराणा के नेतृत्व में संपत पारीक, मनीष सोनी, प्रकाश मेघवाल, जेठमल नाहटा, शिखरचंद डागा एवं संजय सोनी ने केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

सफाई व पौधारोपण कर आदिवासी दिवस मनाया

मीणा समाज बीकानेर के अध्यक्ष बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में मोक्षधाम में पौधारोपण किया।

बीकानेर, (कासं)। मीणा समाज बीकानेर के अध्यक्ष बाबूलाल मीणा (छोलक) के नेतृत्व में शिव मंदिर एवं मोक्षधाम की साफ- सफाई करके पौधारोपण किया। पौधारोपण करके मीणा के चौक में विश्व आदिवासी दिवस मीणा समाज ने बड़ी धूमधाम से मनाया। मीणा ने कहा कि जल जंगल ज़मीन के संरक्षण में सदियों से सदैव क्लीन प्रकृति के सच्चे सेवक आदिवासी थे। हम सब मिलकर आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में सहयोग करेंगे। मानाराम मीणा संरक्षक ने कहा कि जीवन में हर इंसान को पेड़ लगाने का आव्हान किया। दिनेश कुमार मीणा ने कहा कि आदिवासी पर्यावरण संरक्षण ईमानदारी के गुण समाज में सदभाव और बंधुत्व का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी आदिवासी से राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का आव्हान किया। साथ ही कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा और संस्कार अपनाने पर जोर देना चाहिए। इस कार्यक्रम में मोहन लाल मीणा, मानाराम मीणा, अशोक मीणा, दिनेश मीणा, निर्भय मीणा, संजय मीणा, गोवर्धन लाल मीणा, गोविंद मीणा, नाथूराम, विनय मीणा, जितेन्द्र मीणा आदि इस कार्यक्रम में शामिल थे।

35 पार्थिव शिवलिंगों का पूजन किया

नोखा, (कासं)। नोखा में लाहोटी चौक स्थित अयोध्या धाम में चातुर्मास सत्संग समिति की ओर से चल रहे चातुर्मास कार्यक्रम के तहत रविवार को भगवान श्रीशंकर की सामूहिक पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान 25 जोड़ों ने 35 पार्थिव शिवलिंगों का पूजन किया। जिसमें लगभग 125 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। चातुर्मास सत्संग समिति के अनुसार, 10 अगस्त को अयोध्या धाम पंडाल में शाम 5:30 बजे सोम प्रदोष के अवसर पर एक और सामूहिक पूजा का आयोजन किया जायेगा। यह पूजा परम पूज्य दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में संपन्न होगी। समिति ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पूजा का लाभ लेने का आव्हान किया है। चातुर्मास कार्यक्रम के तहत अयोध्या धाम में प्रतिदिन सुबह 5 बजे प्रार्थना, सुबह 8 से 10 बजे तक भगवान श्रीशंकर की सामूहिक पूजा-अर्चना, दोपहर 3 बजे भजन-कीर्तन और शाम 4 से 6 बजे तक वाल्मीकि रामायण कथा का आयोजन किया जा रहा है। रात 8 बजे शिव महिमा स्तोत्र सहित अन्य स्तोत्रों का पाठ होता है। अयोध्या धाम में चल रही वाल्मीकि रामायण कथा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। दोपहर बाद से ही कथा स्थल पर भक्तों का पहुंचना शुरू हो जाता है। रामनाम के जयघोष और भक्ति संगीत से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठता है। दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन चरित्र का विस्तार से वर्णन किया, जिसे श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सुना।

पीबीएम अस्पताल के सर्जन के नाम से जयपुर में फर्जी क्लेम के बिल बनाए

- **बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में कार्यरत सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. मनोहर लाल दावां के नाम से कथित तौर पर फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सर्जरी के बिल बनाए और उन्हें इंश्योरेंस क्लेम के लिए भेज दिया। इंश्योरेंस कम्पनी से डॉ. दावां के पास फोन आया तब मामले का खुलासा हुआ**

बीकानेर, (कासं)। इंश्योरेंस कंपनी से फर्जी तरीके से क्लेम उठाने की कोशिश का मामला सामने आया है। जयपुर के विराट नगर स्थित एक निजी अस्पताल ने बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में कार्यरत सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. मनोहर लाल दावां के नाम से कथित तौर पर फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सर्जरी के बिल बनाए और उन्हें इंश्योरेंस क्लेम के लिए भेज दिया। मामले में डॉ. दावां ने जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में अंजना अस्पताल के प्रभारी और स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

मामला तब सामने आया जब डॉ. दावां के पास इंश्योरेंस कंपनी की ओर से फोन आया। कंपनी के अधिकारी उनसे यह पता करना चाह रहे थे कि उनके नाम से जयपुर के अंजना अस्पताल में दिखाये गए मरीज का ऑपरेशन या सर्जरी वास्तव में उन्होंने की थी या नहीं। डॉ. दावां ने कंपनी को बताया कि वे बीकानेर के सरकारी पीबीएम अस्पताल में कार्यरत हैं और जयपुर के इस निजी अस्पताल में जाकर किसी मरीज की सर्जरी नहीं की। इसके बाद उन्हें पता चला कि उनके नाम का इस्तेमाल कर सर्जरी के बिल इंश्योरेंस कंपनी को क्लेम के लिए भेजे गए हैं।

डॉ. दावां को आशंका है कि उनके नाम का इस्तेमाल कर इसी तरह के और भी फर्जी बिल इंश्योरेंस कंपनियों को भेजे गए हो सकते हैं। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर ऐसे सभी बिल और दस्तावेज सामने लाने का आग्रह किया है। डॉ. मनोहर लाल दावां बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में सर्जरी विभाग के सीनियर प्रोफेसर हैं और विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। उनका कहना है कि जयपुर के अस्पताल में उनके नाम से सर्जरी दिखाकर बिल बनाना गंभीर मामला है। उन्होंने अंजना अस्पताल के प्रभारी और संबंधित स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले की जांच कर रहे एएसआई पांचाराम ने बताया कि डॉक्टर की रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब अंजना अस्पताल में तैयार किए गए दस्तावेज, सर्जरी से संबंधित रिकॉर्ड और इंश्योरेंस कंपनी को भेजे गए क्लेम की जांच करेगी। साथ ही यह भी पता लगाया जायेगा कि डॉक्टर के नाम से कितने बिल तैयार कर इंश्योरेंस कंपनियों को भेजे गए हैं।

19 किलो डोडा पोस्त सहित तस्कर को दबोचा

पांचू, (कासं)। पांचू थाना पुलिस ने ऑपरेशन नीलकंठ अभियान के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने भारतमाला सड़क मार्ग के पास घेराबंदी कर एक तस्कर को 19 किलोग्राम से अधिक अवैध डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पांचू गांव निवासी हरिराम के रूप में हुई है। यह कार्रवाई सीओ जरनैल सिंह के सुपरविजन में संपन्न हुई। थानाधिकारी सीआई ईश्वर प्रसाद ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने भारतमाला हाईवे के पास संदिग्ध स्थिति में मौजूद हरिराम को रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 19 किलोग्राम से अधिक अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया। सीआई ईश्वर प्रसाद ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि डोडा पोस्त की यह खेप कहां से लाई गई थी और किसे सप्लाई किया जाना था।

खेत से 1.335 किलो डोडा पोस्त बरामद

- **आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया**

बज्जू, (कासं)। रणजीतपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने 1.335 किलोग्राम अवैध डोडा- पोस्त जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रणजीतपुरा थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक जगदीशसिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर 8 अगस्त 2026 को चक 04 आरएम रणजीतपुरा में एक टीम ने दबिश दी। टीम ने वार्ड नंबर 07, चक 04 आरएम रणजीतपुरा निवासी 36 वर्षीय रामचन्द्र पुत्र राजाराम भादू विश्नोई के खेत की तलाशी ली। तलाशी के दौरान खेत में झाड़ियों के बीच छिपाकर रखा गया 1.335 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने डोडा पोस्त जब्त कर आरोपी रामचन्द्र के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

इस मामले की आगे की जांच पुलिस थाना बज्जू के थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक चन्द्रजीत सिंह भाटी कर रहे हैं। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थानाधिकारी जगदीशसिंह के साथ हैड कांस्टेबल प्रतापदान, कांस्टेबल मोडाराम, लालाराम, मोबताराम और डीआर जगदीश शामिल थे। पुलिस ने बताया कि कांस्टेबल लालाराम की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण रही।

वहीं नोहर पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कार्रवाई करते हुए 5.27 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत गश्त के दौरान की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतपाल पुत्र ओमप्रकाश सुथार (35) निवासी श्योरानी, पुलिस थाना नोहर के रूप में हुई है। पुलिस ने नशे के कारोबार पर शिकंजा कसा।

कालू के अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था बदहाल

- **एक्स-रे मशीन का ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण स्पष्ट एक्स-रे रिपोर्ट नहीं मिलने से मरीज परेशान**

कालू, (कासं)। कालू उप जिला अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं की बदहाली को लेकर सवाल उठे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र एवं पैनल सदस्य श्रेयांस बैद ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीकानेर को पत्र लिखकर तत्काल सुधार की मांग की है।

इस पत्र की एक प्रतिलिपि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बीकानेर के सचिव को भी भेजी गई है। यह कार्रवाई जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार की गई है। तालुका लूणकरनसर में ड्यूटी के दौरान स्थानीय निवासियों और मरीजों ने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं से श्रेयांस बैद को अवगत कराया था, जिसके बाद यह पत्र लिखा गया।

पत्र में प्रमुख रूप से अस्पताल की एक्स-रे मशीन के ट्रांसफार्मर के खराब होने का जिक्र किया गया है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण एक्स-रे रिपोर्ट की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिससे मरीजों को स्पष्ट जांच रिपोर्ट नहीं मिल पा रही है। बैद ने ट्रांसफार्मर की शीघ्र मरम्मत या नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। एक अन्य गंभीर समस्या चिकित्सक क्वार्टर नंबर 2 और 3 से संबंधित है। ये क्वार्टर सीवरेज व्यवस्था से नहीं जुड़े हैं और लगभग 7 वर्षों से इनकी कोई मरम्मत नहीं हुई है।

देशनोक में रिमझिम बारिश

देशनोक, (कासं)। देशनोक कस्बे में रविवार सुबह मौसम का मिजाज बदल गया। आसमान में काले बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चली। सुबह कुछ देर रिमझिम बारिश भी हुई, जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही। बारिश के बाद आई ठंडक से लोगों को पिछले दिनों की भीषण गर्मी से काफी सुकून मिला। कई लोग इस सुहाने मौसम का आनंद लेते देखे गए। कस्बे में दिनभर बादल छाए रहने से एक बार फिर अच्छी बारिश की उम्मीद जगी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों की नजरें आसमान पर टिकी हुई हैं। बारिश से किसानों के चेहरे खिल गए। सुबह हुई हल्की बारिश का असर सड़कों और गलियों में भी महसूस किया गया। स्थानीय लोगों को आगे भी बारिश होने की उम्मीद है।

पत्नी को बचाने आये पति पर हमला, जेई के वार से सिर फटा

नापासर, (कासं)। नापासर थाना क्षेत्र के नौरंगदेसर गांव में गली के विवाद को लेकर परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि घर में घुसकर महिला से धक्का-मुक्की की गई। जब पति ने विरोध किया तो उस पर जेई से हमला कर दिया जिससे उसका सिर फट गया। इस मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी कविता पूनिया ने बताया कि नौरंगदेसर निवासी हनुमान प्रसाद पुत्र सोहनलाल कुम्हार ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार हनुमान प्रसाद अपनी दुकान पर बैठे थे। तभी पड़ौसी खेताराम पुत्र सरवणराम जाट ने उन्हें फोन कर बताया कि उनके घर के पीछे वाली गली में कुछ लोग घर में घुसकर उनकी पत्नी के साथ मारपीट कर रहे हैं। सूचना मिलते ही हनुमान प्रसाद बाइक से घर पहुंचे।

घर पहुंचने पर हनुमान प्रसाद ने देखा कि श्रवणराम पुत्र रामरख कूंकणा, राम लक्ष्मण पुत्र रामरख कूंकणा, रामरख पुत्र केशुराम कूंकणा और रामरख की पत्नी वहां मौजूद थे। आरोप है कि ये लोग हनुमान प्रसाद की पत्नी के साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की कर रहे थे। जब हनुमान प्रसाद ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि राम लक्ष्मण ने जान से मारने की नीयत से जई से हनुमान प्रसाद के सिर पर वार किया, जिससे उनका सिर फट गया और खून बहने लगा। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि चारों आरोपियों ने लाठी-डंडों से भी मारपीट की। इसके अलावा रामरख और राम लक्ष्मण ने हनुमान प्रसाद पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास भी किया। थानाधिकारी कविता पूनिया ने बताया कि पुलिस ने हनुमान प्रसाद की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। हेड कांस्टेबल शक्ति सिंह मामले की जांच कर रहे हैं।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने रोगियों का उपचार किया

बीकानेर, (कासं)। अग्रवाल समाज चेतना समिति, बीकानेर एवं मारवाड़ हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अग्रवाल भवन, व्यास कॉलोनी में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में क्षेत्रवासियों ने भाग लेते हुए अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श लिया और विभिन्न आवश्यक जांचें करवाई। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श, उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन दिया। हृदय रोग, पेट, आंत एवं लीवर, कान-नाक-गला तथा मानसिक स्वास्थ्य सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ब्लड ग्रुप एवं ब्लड प्रेशर सहित विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांचें नि:शुल्क की गई। जांच के साथ चिकित्सकों ने मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक सावधानियों, खान-पान एवं आगे की चिकित्सा के संबंध में भी जानकारी दी। शिविर में डॉ. एम. जी. भट्टड़, डॉ. नवनीत सुथार, डॉ. निशांत वर्मा, डॉ. तारिक मोहम्मद तस्लीम एवं मनोचिकित्सक डॉ. इमरान खान सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में डॉ. एम. जी. भट्टड़, डॉ. नवनीत सुथार, डॉ. निशांत वर्मा, डॉ. तारिक मोहम्मद तस्लीम सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने रोगियों को चिकित्सा परामर्श दिया।

चिकित्सकों एवं चिकित्सा टीम ने शिविर में पहुंचे लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें उचित परामर्श दिया। मनोचिकित्सक डॉ. इमरान खान ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को लेकर मरीजों को परामर्श दिया तथा मानसिक तनाव, चिंता एवं अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। अग्रवाल समाज चेतना समिति के पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में भूमिका निभाई।

तीये की बैठक

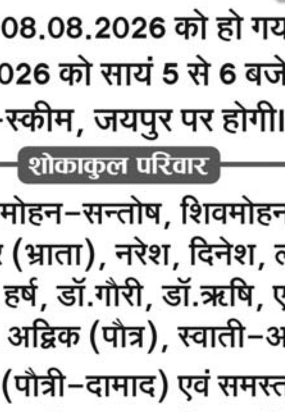

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूजनीय पिताजी

आर्किटेक्ट विश्वनाथ शर्मा (फलोड)

का बैकुण्ठवास दिनांक 08.08.2026 को हो गया है। तीये की बैठक आज दिनांक 10.08.2026 को सायं 5 से 6 बजे तक महावीर स्कूल सी-स्कीम, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल परिवार

हरीमोहन-शिवबाला, कृष्णमोहन-सन्तोष, शिवमोहन-इन्द्रा (पुत्र-पुत्रवधू), नरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार (भ्राता), नरेश, दिनेश, लोकेश, प्रतीक, प्रवीण, प्रशान्त (भतीजे), नवीन, हर्ष, डॉ.गौरी, डॉ.ऋषि, एडवोकेट लक्ष्य, उदय, धनंजय, आयुष्मान, अद्विक (पौत्र), स्वाती-अरविन्द भाभडा, श्वेता-नितीश शर्मा (पौत्री-दामाद) एवं समस्त फलोड परिवार

विश्व प्रेम चैम्बर्स, अजमेर रोड, जयपुर

मो.: 9660961113, 9828011025, 9828112525

नाबालिग से गैंगरेप मामले में पुलिस ने 600 पन्नों की चार्जशीट पेश की

चार्जशीट में 22 लोगों को आरोपी बनाया, स्पायर इन होटल का प्रबंधक राकेश अभी भी फरार है

- मामला 22 जून को सामने आया था, आरोप है कि 13 साल की नाबालिग से तीन होटलों में ले जाकर गैंगरेप किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था
- पुलिस अब पीड़िता और उसकी मां के बयान जल्द दर्ज करवाने की कोशिश कर रही है

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां 13 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने चार्जशीट पेश कर दी है। विशेष अदालत में करीब 600 पन्नों की चार्जशीट में 22 लोगों को आरोपी बनाया गया है। वहीं, स्पायर इन होटल का प्रबंधक राकेश अभी भी फरार है। चार्जशीट में होटलों की रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल, लोकेशन डेटा और सोशल मीडिया चैट शामिल हैं। जानकारी के अनुसार मामला 22 जून को सामने आया था। आरोप है कि 13 साल की नाबालिग से तीन होटलों में ले जाकर गैंगरेप किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। प्रशासन ने तीनों अवैध होटलों को ध्वस्त करवा दिया है। पुलिस अब पीड़िता और उसकी मां के बयान जल्द दर्ज करवाने की कोशिश कर रही है। वहीं, इससे पहले 6 अगस्त को नगर परिषद आयुक्त मिलकराज चुघ के आदेश पर टीम ने पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में कार्रवाई की। बस स्टैंड के सामने स्थित होटल वैलकम और मिनी मायापुरी स्थित होटल किंग स्टार को सीज कर उनका संचालन रोक दिया गया। होटल संचालकों को पहले नोटिस जारी कर दस्तावेज, लाइसेंस और जरूरी अभिलेख पेश करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय में ये पेश नहीं किए गए। नियमों की लगातार अनदेखी देखते हुए सीज की कार्रवाई की गई। टीम को विरोध का सामना भी करना पड़ा, लेकिन पुलिस मौजूदगी में प्रक्रिया शांतिपूर्वक पूरी हुई।

कोटा में कार से 46 किलो डोडा चूरा बरामद, एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स टीम की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नारकोटिक्स टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 46.360 किलो डोडा-चूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक कार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा को मारवाड़ा क्षेत्र की ओर ले जाया जा रहा है एवं कार को एक बाइक सवार द्वारा एस्कॉर्ट किया जा रहा है। सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ के अधिकारियों की टीम का गठन कर टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम द्वारा संदिग्ध मार्ग पर निगरानी रखी गई, टीम ने मौके पर एस्कॉर्ट कर रही बाइक की पहचान कर बाइक को रोका गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम द्वारा पूछताछ में सामने आया कि बाइक सवार एक किलोमीटर पीछे चल रही कार को घोसुंडा बांध की ओर से एस्कॉर्ट कर रहा है। टीम ने मौके पर कार की तलाश शुरू की, टीम ने घोसुंडा बांध भदेसर चित्तौड़गढ़ के पास एक स्कूल के पीछे कार को बरामद किया, मौके पर कार चालक को काफी तलाश किया, लेकिन कार चालक का कुछ पता नहीं चला। टीम द्वारा मौके से वाहन को कार्यालय लाकर कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार में से तीन बैगों में अवैध मादक पदार्थ 46.360 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। समस्त कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत अवैध बरामद डोडा चूरा व कार को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए बाइक सवार को गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

नशे के आदी 10 व्यक्तियों को नशामुक्ति केन्द्र दाखिल कराया

कराया : कोटा में नशे की प्रवृति पर अंकुश लगाने के लिये पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत नयापुरा पुलिस टीम ने नशे के आदी 10 लोगों को नशामुक्ति केन्द्र में दाखिल कराया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि युवाओं और आमजन में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने तथा पीड़ितों के पुनर्वास के लिए जिला पुलिस द्वारा चलाई जा रही विशेष सुधारात्मक मुहिम के तहत नयापुरा थानाधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा रविवार को नशा पिड़ित अली खान, बन्टी, बन्टी सिंह, खलील मोहम्मद, अब्दुल अजीज, प्रेमचन्द, ओमप्रकाश, नर सिंह, रोशन व सुमित को चिन्हित कर उन्हें उचित इलाज देखभाल और काउंसलिंग के लिए कोटा के प्रमाणित नशा मुक्ति केंद्र में दाखिल करवाया गया है।

महाजन फायरिंग रेंज में 1500 लीटर डीजल चोरी

रात में घुसे 15 अज्ञात चोर, सैन्य जवानों को देखकर फरार हो गये

अरजनसर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के पूर्वी कैंप में एक बार फिर डीजल चोरी का मामला सामने आया है। रात के अंधेरे में लगभग 15 अज्ञात लोग दो वाहनों में सवार होकर रेंज की सीमा तोड़कर अंदर घुस गए। उन्होंने तीन अलग-अलग स्थानों से करीब 1500 लीटर डीजल ड्रमों में भर लिया। आरोपी डीजल को वाहनों में भरकर ले जाने की तैयारी में थे, तभी सैन्य जवानों की उन पर नजर पड़ गई। जवानों ने संदिग्धों को ललकारा, जिसके बाद वे डीजल से भरे ड्रम वाहनों में डालकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद सैन्य अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। इसके उपरांत महाजन पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। जांच के दौरान वारदात में इस्तेमाल किए गए संदिग्ध वाहनों के पंजीकरण से जुड़े अहम सुराग लगभग छह घंटे के भीतर जुटा लिए गए हैं। इन सुरागों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, रेंज से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले संभावित संदिग्धों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज एक अत्यंत संवेदनशील सैन्य क्षेत्र है, जहां आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित है। ऐसे में रात के समय लगभग 15 लोगों का दो वाहनों के साथ रेंज की सीमा तोड़कर अंदर घुसना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जांच एजेंसियां संदिग्ध वाहनों, रेंज से जुड़े प्रवेश मार्गों, आसपास के ग्रामीण इलाकों और डीजल चोरी की इस वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही हैं। इस घटना ने फील्ड फायरिंग रेंज की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अलवर में लैपर्ड ने आठ बकरियों का शिकार किया

अलवर, (निसं)। अलवर के निकट रायबका से आगे बुआका गांव में लैपर्ड ने 8 बकरियों का शिकार कर दिया। गांव में अचानक लैपर्ड के आने और बकरियों को मारने की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, घटना आज सुबह करीब 4 बजे की है। लैपर्ड ने गांव में 3 अलग-अलग जगहों पर हमला किया। लैपर्ड ने एक बकरे का मांस खाया, जबकि अन्य बकरियों की गर्दन मरोड़ दी। हालांकि लैपर्ड के बाजरे के खेतों में छुपे होने के कारण अभी तक पकड़ में नहीं आया।

गांव के निवासी ने बताया कि तड़के करीब चार बजे लैपर्ड ने हमला कर 8 बकरियों को अपना शिकार बनाया। इसमें से डहकीन खान पुत्र रहमान की 5 बकरी, हज्जू की 2 बकरी और आशू की 1 बकरी शामिल है। लैपर्ड ने एक बकरे के हिस्से को नुकसान पहुंचाया और बाकी की गर्दन मरोड़कर उन्हें मार डाला। सुबह करीब 9 बजे गांव की महिला जुम्मी ने बाजरे के खेत में संदिग्ध जानवर देखे जाने की सूचना दी। गांव के युवक अशोक डाबड़ ने बताया कि लैपर्ड फिलहाल बाजरे के खेतों में छिपा हुआ है और ग्रामीण उसे तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। हालांकि, बाजरे की खड़ी फसल होने के कारण लैपर्ड को पकड़ने में दिक्कत आ रही है और देर शाम तक वह पकड़ से बाहर था।

इस मामले में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि वन क्षेत्रों में मानव जाति का दखल बढ़ा है। आधुनिकीकरण की दौड़ में हम दौड़ रहे हैं। वन्यजीव भी गांवों में आ जाते हैं। अभी लैपर्ड के आने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कुछ बकरियों पर हमला किया गया है। नियम के अनुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। लैपर्ड का अभी वहां विचरण है तो उसे पकड़कर जंगल छोड़ा जाएगा।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर बचाव में आए युवक की चौकीदार ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी तथा एक युवक को घायल कर दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में सविना थाना क्षेत्र तितरड़ी कैलाश कंवर उर्फ सपना कंवर के मकान में चौकीदारी करने वाले अन्नासिंह पुत्र रूपसिंह निवासी रूनारेल आसिन्द भिलवाड़ा ने हेमराम जाट पुत्र रामूराम जाट निवासी बालवा सदर नागौर की चाकू घोंप कर हत्या कर दी तथा साथी सुखदेव को घायल कर फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस टीम ने आरोपी अन्नासिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बिजली सप्लाई को लेकर ट्रांसफार्मर पर चढ़ी महिला

- नीचे खड़े बिजली विभाग के कर्मचारी समझाते रहे, लेकिन महिला तार खींचने और बहस करने में लगी रही

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के रैणी इलाके में बिजली सप्लाई को लेकर एक अजीबोगरीब और खतरनाक ड्रामा देखने को मिला। भूड़ा गांव में एक महिला गुस्से में थ्री-फेज ट्रांसफार्मर के ऊपर जा चढ़ी। नीचे खड़े बिजली विभाग के कर्मचारी उसे समझाते रहे, लेकिन महिला तार खींचने और बहस करने में लगी रही।

अलवर के रैणी क्षेत्र से सामने आया यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला ट्रांसफार्मर के सबसे ऊपरी हिस्से पर जान जोखिम में डालकर खड़ी है। वह वहां लगे बिजली के तारों को हाथ से खींचती और हटाती दिख रही है। नीचे मौजूद विद्युत निगम के कर्मचारी उसे बार-बार नीचे उतरने की मिन्नतें करते नजर आए। निगम कर्मचारियों के समझाने के बावजूद महिला लगातार उनसे बहस करती रही। हद तो तब हो गई जब नीचे खड़ा उसका पति भी कर्मचारियों से उलझ पड़ा। वह कर्मचारियों से कहता सुनाई दिया कि मरती है तो मर जाने दो, ये तो लाइन काटकर ही नीचे आएगी। काफी देर तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों ने काफी मशक्कत कर महिला को समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतारा।

बिजली विभाग के अनुसार, बीते 4 अगस्त को इलाके में हुई बारिश और जलभराव के कारण भूड़ा फीडर के करीब छह बिजली के खंभे गिर गए थे। इसके चलते क्षेत्र के लगभग 400 उपभोक्ताओं की बिजली गुल हो गई थी। स्थिति को देखते हुए निगम ने आखोदा फीडर से अस्थाई रूप से सिंगल-फेज सप्लाई शुरू कर दी थी। हालांकि, खेतों में पानी भरा होने और खड़ी फसल के कारण थ्री-फेज सप्लाई चालू करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कत आ रही थी। शाम को बिजली निगम के कर्मचारी शटडाउन लेकर थ्री-फेज सप्लाई को दुरुस्त करने का काम कर रहे थे, तभी यह पूरा विवाद खड़ा हो गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कनिष्ठ अभियंता ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दी है। बिजली विभाग ने पुलिस से विद्युत तंत्र के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में कार्रवाई करने की मांग की है। बिजली विभाग के अनुसार इस तरह की हरकत से विभाग को सरकारी कार्य करने में काफी बाधा का सामना करना पड़ा है।

अवैध नल कनेक्शन काटने गई जलदाय टीम से मारपीट

- दिव्यांग सरकारी टीचर, उसकी पत्नी और मकान मालकिन ने मारपीट कर इंजीनियर को थप्पड़ जड़ दिया

टोंक, (निसं)। अवैध नल कनेक्शन काटने पहुंची सदर थाना क्षेत्र में जलदाय विभाग की टीम के साथ दिव्यांग सरकारी टीचर, उसकी पत्नी और मकान मालकिन ने मारपीट करने व टीम को थप्पड़ व लात मारने जैसा मामला सामने आया है। इस घटना में एक कर्मचारी की बाइक को गिराकर तोड़फोड़ की गई है।

मामला सदर थाना क्षेत्र की द्वारिका नगरी का बताया गया है, जहां शनिवार देर शाम को हुआ, जिसके अन्तर्गत जलदाय विभाग के जेईएन व उनकी टीम को अवैध नल कनेक्शनों के सर्वे के बाद द्वारिका नगरी के निवासी एक पति-पत्नी ने उनसे झगड़ा करने के बाद दिव्यांग टीचर ने फीटर सुशील कुमार वर्मा पर डंडे से हमला कर दिया तथा पति-पत्नी और मकान मालकिन ने इंजीनियर अभिमन्यु जैना के साथ भी धक्का-मुक्की करते हुए विजय लक्ष्मी ने इंजीनियर को थप्पड़ भी जड़ दिया।

जिसके बाद जलदाय विभाग की टीम ने सदर थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराते हुए बताया कि कुछ दिन पहले इलाके में अवैध नल कनेक्शनों का सर्वे किया गया था, जिसमें आरोपियों के कुछ कनेक्शन अवैध मिले थे। इन्हीं कनेक्शनों को काटने के लिए शनिवार को जेईएन सुमन पटेल, फीटर सुशील कुमार वर्मा और सुपरवाइजर मोरवाल कुमावत गए थे। टीम एक मकान के सामने पहुंची, जिसमें अवैध कनेक्शन था, टीम ने बाहर से आवाज लगाई तो किरायेदार नेनू लाल (सरकारी टीचर) और उसकी पत्नी कविता गुर्जर बाहर आए। टीम ने उन्हें मकान में पानी के अवैध कनेक्शन के बारे में बताया। इस पर दोनों पति-पत्नी झगड़ा करने लगे। आरोप है कि नेनू ने फीटर सुशील कुमार वर्मा पर डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद जलदाय विभाग की टीम कार्यालय लौट गई।

सदर थाना प्रभारी अंकेश कुमार ने बताया कि जेईएन की रिपोर्ट पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। नेनू लाल इस कॉलोनी में किराए से परिवार सहित रहता है। नेनू लाल ने तो रिपोर्ट नहीं दी, लेकिन नेनू लाल के मकान मालिक ने बीती देर रात को एक रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया कि कई लोग उसके मकान में आए, मेरे किरायेदार नेनू लाल और उसके परिवार के साथ मारपीट की। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। नेनू लाल को देर रात शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया।

डूंगरपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर संस्कृति की झलक दिखी

- पारंपरिक वेशभूषा में एकजुट हुए लोग, हक-अधिकारों की आवाज बुलंद की

डूंगरपुर, (निसं)। सिर पर साफा और उस पर गोफन-पंख, हाथों में तीर-कमान... पुरुषों का यह पारंपरिक अंदाज और चांदी की हांसली-कड़े पहने महिलाओं की मौजूदगी रविवार को डूंगरपुर में आदिवासी संस्कृति की जीवंत तस्वीर पेश कर रही थी। विश्व आदिवासी दिवस पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में समाज ने महापुरुषों को याद किया और अपनी संस्कृति, परंपराओं के संरक्षण के साथ हक-अधिकारों की आवाज बुलंद की। आदिवासी दिवस के तोरण द्वार और झंडे लगाए।

आदिवासी परिवार, भारत आदिवासी पार्टी और विभिन्न संगठनों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सुबह से ही समाज के लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पुरुष सफेद कुर्ता-धोती, सिर पर साफा और पारंपरिक प्रतीकों के साथ पहुंचे। महिलाओं ने लहंगा-चोली और दुपट्टे के साथ चांदी के पारंपरिक आभूषण पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया। शहर में भी जगह-जगह आदिवासी दिवस के तोरण द्वार और झंडे लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज के महापुरुषों की तस्वीरों पर माल्यार्पण और पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद लोकगीतों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर चला। महिलाओं और पुरुषों ने गैर नृत्य सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की रीति-रिवाज, लोक परंपराओं और संस्कृति को आने वाली पीढ़ि यों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत, संस्थापक सदस्य कांतिलाल रोत, जिलाध्यक्ष अनुतोष रोत सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज आज भी शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्तर पर पिछड़ा हुआ है। आदिवासी क्षेत्रों के विकास और समाज को उसके हक-अधिकार दिलाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज के विकास और अधिकारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रावधान किए गए हैं, लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में की गई हाई सिक्योरिटी के कारण इस बार न तो ट्रैफिक व्यवस्था में किसी प्रकार की आमजन को परेशानी हुई और न ही कहीं पर भी उद्दंड जैसी बातें सामने आई। खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आने वाले ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी विभिन्न मार्गों में भी आमजन को भी कोई परेशानी नहीं हुई।

टीनशेड भरभराकर ढहा, स्कॉर्पियो गाड़ी दबी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के रातानाडा क्षेत्र में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां एक पेट्रोल पंप के पास नाले पर टीन शेड लगाकर किया गया निर्माण अचानक ढह गया। इस हादसे में वहां खड़ी एक स्कॉर्पियो गाड़ी मलबे के नीचे दब गई, जिसे बाद में क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ। मंदिर ट्रस्ट के राजशेखर ने बताया कि नाले के ऊपर मंदिर की दीवार बनी हुई थी, जो अचानक गिर गई।

नकली सोना देकर बैंक से लोन लेने के आरोप में सात जने गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 8 सोने जैसी धातु की चूड़ियां व कार जप्त की

पुलिस द्वारा जब्त की गई आरोपियों की कारें।

- आरोपी अंकित शर्मा से पूछताछ के बाद जयपुर से आया हुये गिरोह जिसमें 6 अन्य सदस्यों को राउण्डअप किया

टोंक, (निसं)। कोतवाली थानाधिकारी भँवरलाल वैष्णव के नेतृत्व में गठित टीम ने गोल्ड लोन कम्पनियों में नकली सोना रखकर लोन लेने वाली अन्तर्राज्य गैंग का खुलासा करते हुये सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से 8 सोने जैसी धातु की चूड़ियां व दो कार जप्त की है।

मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुये तकनिकी संसाधनों व मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अंकित शर्मा से पूछताछ के बाद अन्य वारदात करने की फिराक में जयपुर से आया हुये गिरोह जिसमें 6 अन्य सदस्यों को राउण्डअप किया जाकर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दोनों कारों से सोने जैसी धातु की चूड़ियां जप्त कर अनुसंधान प्रारम्भ कर दिया है। घटना में विजय सिंह मैनेजर केफ्री गलोबल केपिटल लि. टोंक द्वारा गत 6 अगस्त को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि ब्रान्च में अंकित शर्मा पुत्र रामेश्वर शर्मा निवासी लाम्बा चमनपुरा को लोन की आवश्यकता है व उसके पास सोने की 4 चूड़ियां है, जिसके उपर लोन लेना चाहता है, अंकित शर्मा 8-9 महिने पहले भी हमारी ब्रान्च से 40000 रुपये का गोल्ड लोन ले चुका है, जो अभी चल रहा है। इसी वजह से हमे अंकित शर्मा पर विश्वास था।

कम्पनी के नियमानुसार हमारे द्वारा सोने की चूड़ियों को नियमानुसार चेक किया चूड़ियां सोने की होना प्रतित हुई। गहराई से चेक करने के लिये उन चूड़ियों पर हमने कट विधि के अनुसार एक चूड़ी पर कट लगा कर चेक किया तो वह सही होना प्रतित हुई, जिसके बाद अंकित शर्मा ने नाराजगी जाहिर करते हुए बोला कि एसे कट लगाने से तो मेरी चूड़ियां खराब हो जायेगी, जिसके बाद अंकित शर्मा पर भरोसा करके उन्होंने उसे 4 लाख 39 हजार रुपये स्वीकृत कर दिया। जिसके बाद व दुबारा 8 अगस्त को आया और बोला कि उसके मिलने वालों के पास 4-5 चूड़ियां सोने की है, जिस पर वह गोल्ड लेना चाहता है। जिसके बाद मैनेजर को अंकित शर्मा पर शक हुआ और पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी अंकित शर्मा को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो वह दोस्तों के साथ मिलकर बैंक के साथ धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। जिसके बाद आरोपी अंकित शर्मा पुत्र रामेश्वर शर्मा निवासी लाम्बा चमनपुरा थाना मेहन्दवास, अजहरूद्दीन पुत्र अल्लानूर, भंवर सिंह पुत्र चैन सिंह, दीपक शर्मा पुत्र चौथमल शर्मा, सिकन्दर कुमावत पुत्र महेश कुमावत, शहजाद पुत्र शमशाद, भंवर लाल खारोल पुत्र कानाराम खारोल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरु किया गया।

देशभर में साइबर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाकर साइबर ठगों को सौंप देते थे

- खाता खुलते ही आरोपी एटीएम, पासबुक, सिम कार्ड और नेट बैंकिंग के क्रेडेंशियल्स आईडी व पासवर्ड अपने पास रख लेते थे

कोटपूतली, (निसं)। जिला पुलिस की साइबर क्राईम टीम ने फर्जी और किराए के बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाते थे और फिर उन्हें साइबर ठगों को सौंप देते थे।

पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विशेष साइबर अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार पुलिस निरीक्षक दयाराम के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो मुख्य आरोपियों दीपान्शु (25) पुत्र कल्याण सिंह राजपूत व सूरज (24) पुत्र सत्यनारायण राजपूत दोनों निवासी बूटेरी, बानसूर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि आरोपी स्थानीय ग्रामीणों और सीधे-साधे लोगों को सरकारी योजनाओं, भारी कमीशन और आसान पैसों का झांसा देकर अलग-अलग बैंकों में उनके नाम से फर्जी खाते खुलवाते थे। खाता खुलते ही आरोपी उनके एटीएम कार्ड, पासबुक, सिम कार्ड और नेट बैंकिंग के गोपनीय क्रेडेंशियल्स आईडी व पासवर्ड अपने पास रख लेते थे। इन म्यूल अकाउंट्स का ऑनलाइन गेमिंग, सट्टा, ट्रेडिंग और ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों को किराये पर दिया जाता था, ताकि देश भर से ठगी गई रकम को आसानी से ट्रांसफर किया जा सके। पुलिस ने जनता के लिए जरूरी चेतावनी जारी की है कि किसी भी अनजान या परिचित व्यक्ति के बहकावे में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड या सिम कार्ड इस्तेमाल के लिए बिल्कुल न दें। पैसों के लालच में अपना बैंक खाता किसी को देना या किराए पर देना कानूनी रूप से गंभीर अपराध है। इन खातों का उपयोग देश विरोधी गतिविधियों और साइबर ठगी में होता है, जिससे खाताधारक भी कानूनी कार्यवाही के घेरे में आ सकता है।

नियमों की अनदेखी पर चार फर्मो से जुर्माना वसूला

भीलवाड़ा (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर उपभोक्ता मामले विभाग ने विधिक माप विज्ञान (डिब्बाबंद वस्तुएं) नियमों के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विधिक माप विज्ञान अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान 4 फर्मो की जांच की गई। नियमों के उल्लंघन मिलने पर विभाग ने 75 हजार रुपए का जुर्माना वसूला।

सनरक्षक उद्योग इंडिया लिमिटेड, हमीरगढ़ पर जांच के दौरान पैकर रजिस्ट्रेशन नहीं पाये जाने पर 35 हजार का जुर्माना वसूला गया। अंजली फूड उद्योग, ईरास पर बाट एवं माप उपकरण असत्यापित पाए जाने पर 10 हजार का जुर्माना किया। उत्सव उद्योग, सुवाणा पर पैकर रजिस्ट्रेशन व बाट एवं माप उपकरण असत्यापित पाये जाने के कारण 15 हजार का जुर्माना वसूला। बजरंग रोलर फ्लोर मिल, रिको, पुर रोड पर पैकर रजिस्ट्रेशन नहीं होने एवं बाट व माप असत्यापित पाये जाने के कारण 15 हजार जुर्माना वसूला। लीगल मेट्रोलॉजिकल के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित हो, इसके लिए जांच जारी रहेगी।

झांसा देकर नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी व साथियों के खिलाफ शादी कराने का झांसा देकर नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित भुपेन्द्र गौतम पटवा निवासी गणेशपुर नगर सेक्टर 4 हॉल ब्लॉक बी रिको उमरड़ा ने आरोपी जगन्नाथ, भानुराम, किशोरराम भाऊ, बसंत महादु मोरे, ज्योति संजय काबले निवासी मेहकर महाराष्ट्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने अप्रेल 2026 में मेरी शादी ज्योति से करवाई थी। इसको लेकर 3 लाख रूपये का भुगतान किया था। शादी के मेहमानों को छोड़कर घर आया तो ज्योति गायब थी। इस पर उसकी तलाश की तो इसके भाग जाने की जानकारी सामने आई।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक :- 07.08.2026

आयोग द्वारा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राजस्थान, जयपुर के लिए गैर अनुसूचित क्षेत्र हेतु फिजियोथेरेपिस्ट के कुल 20 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 05/2026-27 दिनांक 21.07.2026 जारी किया गया जिसके तहत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम दिनांक 21.08.2026 निर्धारित है। उक्त विज्ञापन के तहत One Time Registration (OTR) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं एवं अभ्यर्थियों से अन्य कोई आवेदन शुल्क प्राप्त नहीं किया जा रहा है।

विभाग से प्राप्त पत्रानुसार उक्त भर्ती से संबंधित राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियम, 1965 में आवश्यक संशोधन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन होने के फलस्वरूप फिजियोथेरेपिस्ट के पदों पर भर्ती हेतु जारी विज्ञापन संख्या 05/2026-27 दिनांक 21.07.2026 को तत्काल प्रभाव से प्रत्याहरित (Withdrawal) किया जाता है।

DIPR/C/____/2026 (आशुतोष गुप्ता) सचिव

बेंगलुरु के प्रवासी राजस्थानी संगम में मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिया ''पधारो म्हारे देश'' का निमंत्रण

जयपुर में 10 दिसम्बर को होगा प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह का आयोजन

-कार्यालय संवाददाता-

बेंगलुरु/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की मिट्टी की खुशबू पूरी दुनिया में फैला रहे हैं और अपनी संस्कृति, परंपरा एवं ऐतिहासिक गौरव को भी प्रतिष्ठित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम और योगदान की भावना को 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में दिखाया है और पूरे उत्साह, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी भागीदारी भी निभाई है। राजस्थान से अपने अटूट नाते के साथ जल संरक्षण के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार के कार्यों को बढ़ावा दिया है।

उन्होंने जयपुर में 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह के लिए 'पधारो म्हारे देस' का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से राजस्थान की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान भी किया। मुख्यमंत्री रविवार को बेंगलुरु में आयोजित प्रवासी राजस्थानी संगम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रवासी भारतीय समुदाय को देश का ब्रांड एंबेसडर मानते हैं। मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान सऊदी अरब, दुबई, रियाद और बहरीन में प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स द्वारा भारतीयों की सहायता के कार्यों की सराहना की। देर शाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेंगलुरु में राजस्थान फाउंडेशन के विभिन्न चैप्टर्स के अध्यक्षों के साथ चर्चा भी की।

तेज आर्थिक विकास की राह पर राजस्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान तेज आर्थिक विकास कर रहा है और देश के अग्रणी राज्यों के रूप में उभर रहा है। राजस्थान देश की 7वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राज्य की जीएसडीपी वृद्धि दर 12 प्रतिशत से अधिक है और प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने

बेंगलुरु में आयोजित प्रवासी राजस्थानी संगम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सांसद डॉ. सतीश पूनियां का प्रवासी राजस्थानियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 2030 तक 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनमें एमएसएमई के लिए कन्सेंट टू ऑपरेट की अधिकतम समय सीमा 120 दिन से घटाकर 30 दिन तथा बड़े उद्यमों के लिए 60 दिन करना शामिल है। वहीं, अप्रदूषणकारी व्हाइट कैटेगरी उद्योगों की सूची 104 से बढ़ाकर 877 की गई है। निवेशकों की सुविधा के लिए राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली राज निवेश से प्रदान की जा रही सेवाओं का विस्तार किया गया है। राजस्थान इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी-2026 के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों के सुव्यवस्थित विकास को बढ़ा रहे है। साथ ही राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम, राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024 और एक जिला-एक उत्पाद पॉलिसी के माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

टेक्नोलॉजी और उद्यमशीलता का संगम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के बाद प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग बढ़ा है। बेंगलुरु की टेक्नोलॉजी और राजस्थान की उद्यमशीलता को मिलाकर विकास का नया अध्याय लिखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वह ट्रांसफॉर्मेशन का माध्यम भी बनना चाहिए। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से व्यापार को केवल बैलेंस शीट तक सीमित ना रखकर सेवा और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से राजस्थान को समृद्ध बनाने में योगदान देने का आ ान किया।

कर्नाटक में राजस्थान भवन के लिए प्रयास

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित होने वाले

- प्रवासी राजस्थानी पूरी दुनिया में फैला रहे मातृभूमि की महक और संस्कृति : भजनलाल शर्मा
- व्यापार केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ट्रांसफॉर्मेशन का भी माध्यम बने। प्रवासी, सेवा-सरोकार के जरिए प्रदेश की विकास यात्रा में भागीदारी निभाएं : मुख्यमंत्री

प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया और कहा कि उनके अनुभव, सुझाव और सहभागिता के जरिए राजस्थान की विकास यात्रा को और गति मिलेगी। साथ ही, कर्नाटक में राजस्थान भवन की स्थापना की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों को स्थायी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक केंद्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कर्नाटक सरकार से संपर्क किया गया है और इस दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। राजस्थान फाउंडेशन के बेंगलुरु चैप्टर के अध्यक्ष सचिन पांड्या ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी संगम कार्यक्रम व्यापार, विकास और संस्कृति का ऐतिहासिक संगम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के बाहर शुरू की गई ई-मित्र सेवा से प्रवासी राजस्थानियों को काफी फायदा मिल रहा है। प्रवासी राजस्थानी अपनी जन्मभूमि राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में सांसद डॉ. सतीश पूनिया, लहर सिंह सिरोया, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर, ख्यातनाम संगीतकार डॉ. रिकी केज, राजस्थान फाउंडेशन के विभिन्न चैप्टर्स के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

'प्रदेशभर में आज रात 12 बजे से बंद होगा निजी बसों का संचालन'

परिवहन विभाग की कार्रवाई के विरोध में निजी बस ऑपरेटरों ने किया आंदोलन का ऐलान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। परिवहन विभाग की लगातार चालानी और अन्य कार्रवाई के विरोध में प्रदेश के निजी बस ऑपरेटरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान

- एसोसिएशन ने सभी बस ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों को हड़ताल समाप्त होने तक बसों की अग्रिम और ऑनलाइन बुकिंग बंद रखने के निर्देश दिए हैं

किया है। ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन की ओर से 10 अगस्त की रात 11.59 बजे से प्रदेशभर में निजी बसों का संचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। हड़ताल के चलते निजी बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

राजधानी जयपुर के एक निजी होटल में प्रदेशभर के बस ऑपरेटरों और

विभिन्न बस संगठनों की प्रांतीय बैठक में एसोसिएशन अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि परिवहन विभाग की ओर से बस संचालकों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई से व्यवसायियों में रोष है। बैठक में प्रदेशभर से आए बस मालिकों और ऑपरेटरों ने सामूहिक रूप से आंदोलन का निर्णय लिया।

एसोसिएशन ने सभी बस ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों को हड़ताल समाप्त होने तक बसों की अग्रिम और ऑनलाइन बुकिंग बंद रखने के निर्देश दिए हैं। ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर भी बुकिंग विंडो बंद रखने को कहा गया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि हड़ताल के दौरान निर्देशों का उल्लंघन कर बुकिंग करने वाले ऑपरेटर या एजेंट के खिलाफ संगठनात्मक स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बस ऑपरेटरों ने कहा कि आंदोलन किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि प्रदेश के बस व्यवसाय से जुड़े लोगों के हितों के लिए है। उनका कहना है कि परिवहन विभाग की कार्रवाई और उनकी मांगों का स्थायी समाधान होने तक हड़ताल जारी रहेगी। संगठनों ने सभी बस ऑपरेटरों और एजेंटों से सामूहिक निर्णय का पालन करते हुए आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

९० वर्षीय बुजुर्ग से 3 साल में ९ लाख रुपए ठगे

मैरिज ब्यूरो के नाम पर बदमाशों ने बातों में फंसाकर बदनाम करने की धमकी देकर डराया

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके में मैरिज ब्यूरो के कर्मचारी बनकर शातिर जालसाजों ने 90 वर्षीय बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाकर करीब 9 लाख रुपए ऐंठ लिए। आरोपियों ने बुजुर्ग को बदनाम करने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देकर करीब तीन साल तक ब्लैकमेल किया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बुजुर्ग के बेटे ने बैंक खाते की जानकारी जांची। पीड़ित के बेटे ने महेश नगर थाने में मामला दर्ज कराया है।

एएसआई कैलाश चंद ने बताया कि महेश नगर निवासी 79 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार उनके 90 वर्षीय पिता के मोबाइल पर वर्ष 2022 में 'शादी सेंटर डॉट कॉम' नाम की कंपनी से जुड़े कुछ अनजान कर्मचारियों ने फोन किया था। बातचीत के दौरान आरोपियों ने बुजुर्ग को अपनी बातों में फंसा लिया। इसके बाद उन्हें झूठे मामलों में फंसाने और बदनाम करने की धमकियां देकर डराया-धमकाया जाने लगा।

आरोपियों ने धमकियों का भय दिखाकर बुजुर्ग से रुपए मांगना शुरू कर दिया। पिछले करीब तीन साल में अलग-अलग समय पर ब्लैकमेल कर उनसे करीब 9 लाख रुपए वसूल लिए। इस दौरान बुजुर्ग ने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी।

कुछ समय बाद जब बेटे को रुपयों की जरूरत पड़ी तो उसने अपने पिता से बैंक खाते को लेकर बातचीत की। पिता की ओर से बैंक खाते की जानकारी देने में आनाकानी करने पर बेटे ने तसल्ली देकर पूछताछ की।

इसके बाद बुजुर्ग ने बेटे को आरोपियों की ओर से किए जा रहे ब्लैकमेल और रुपए वसूलने की पूरी बात बताई। बेटे ने बैंक खाते की डिटेल निकाल कर जांच की तो पिछले करीब तीन साल में अलग-अलग लेन-देन के जरिए करीब 9 लाख रुपए दिए जाने का पता चला। इसके बाद महेश नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर ब्लैकमेल करने वाले आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

लोकतंत्र सैनानियों ने जताया आभार

जयपुर। लोकतंत्र सैनानियों ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का आपातकाल बंदियों को लोकतंत्र सेनानी का सम्मान दिए जाने के लिए समवेत स्वर से आभार जताया है। लोकतंत्र सेनानी संघ, जयपुर के रविवार को यहां आयोजित संभागीय समारोह में आभार सहित कई प्रस्ताव पारित किए गए। प्रदेश महामंत्री राजेंद्र राज ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने आपातकाल में मीसा और डीआईआर के बंदियों को पहली बार प्रदेश में लोकतंत्र सैनानी के सम्मान से नवाजा।

पिस्टल लेकर घूम रहा बदमाश दबोचा

जयपुर। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन ''आग'' के तहत बजाज नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध देशी पिस्टल बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इलाके में अपना वर्चस्व कायम करने और लोगों में दहशत फैलाने के लिए पिस्टल लेकर घूम रहा था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि बजाज नगर थानाधिकारी रामधन डोभाल और डीएसटी प्रभारी सुखवीर सिंह के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने सूचना तंत्र विकसित कर संदिग्धों पर नजर रखी। इसी दौरान शिवराम कॉलोनी और दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास एक युवक संदिग्ध स्थिति में घूमता मिला। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और तलाशी ली। उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी विजय मीणा (22) निवासी 24, शिवराम कॉलोनी, थाना बजाज नगर, जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने अवैध पिस्टल कहां से और किस व्यक्ति से खरीदी थी।

तीसरा ऑल इंडिया काजू कन्वैंशन संपन्न

जयपुर। जयपुर में तीसरा ऑल इंडिया काजू कन्वेंशन संपन्न हुआ। ऑल इंडिया काजू एसोसिएशन और इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी द्वारा एपीडा के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में 845 से अधिक प्रतिनिधियों, 1000 से अधिक विजिटर्स और 100 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया। कन्वेंशन में काजू प्रसंस्करण से जुड़ी 10 नई मशीनरी तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया गया। पहली बार आयोजित 'काजू महोत्सव' में 8 सेलिब्रिटी शेफ ने काजू से बने 80 से अधिक नए व्यंजन प्रस्तुत किए। वहीं, एक्सपीरियंस जोन के माध्यम से काजू के पोषण और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया ''वन स्टॉप सेंटर'' का निरीक्षण

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुरिया अस्पताल स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री ने वन स्टॉप सेंटर पर उपस्थित पीड़ित महिला से उसकी समस्या के संबंध में विस्तार से जानकारी ली तथा उसे उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध एवं संवेदनशील तरीके से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वन स्टॉप सेंटर पर

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुरिया अस्पताल में वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान पीड़ित महिला से फीडबैक लिया।

पूर्व में दर्ज प्रकरणों की भी जानकारी ली तथा संबंधित मामलों में पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई गई सहायता एवं वर्तमान स्थिति के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने केंद्र में संधारित रिकॉर्ड, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त महिला अधिकारिता राकेश राजोरिया, उप निदेशक कुंतल बिश्नोई, डॉ. राजेश डोगीवाल, सुनीता मीणा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर पर आने वाली पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता सहित आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाली प्रत्येक पीड़ित महिला की समस्या को संवेदनशीलता से सुनते हुए उसे आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

दुष्कर्म आरोपी समेत 5 गिरफ्त में

जयपुर। खोह नागोरियान पुलिस ने अपराधियों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अलग-अलग कार्रवाई करते हुए नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक युवक को भी पकड़ा। इसके अलावा लंबे समय से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर उनके वारंट का निस्तारण किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा कि नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ अलग-अलग स्थानों पर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी सौरभ मीणा (23) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मूल रूप से सलेमपुर खुर्द, भूसावर, भरतपुर का निवासी है और वर्तमान में सेक्टर-6, इंदिरा गांधी नगर, खोह नागोरियान में रह रहा था।

'नड्डा का जयपुर आकर भी प्रसूताओं की मौतों पर समीक्षा न करना दुर्भाग्यपूर्ण'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के जयपुर दौरे के दौरान प्रदेश में प्रसूताओं की मौतों के मामले में समीक्षा बैठक नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे भाजपा सरकार की असंवेदनशील कार्यशैली बताते हुए कहा कि महिला स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता में नहीं है।

जूली ने कहा कि नड्डा रविवार को जयपुर में थे। ऐसे में उन्हें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं की मौतों के मामलों की जानकारी लेकर स्वास्थ्य मंत्री और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि बैठक में मौतों के कारणों की समीक्षा के साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर चर्चा होनी चाहिए थी। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से इस गंभीर मुद्दे पर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई।

उन्होंने कहा कि माताओं की मौतों पर सरकार की चुप्पी से स्पष्ट है कि भाजपा के लिए जनस्वास्थ्य से ज्यादा राजनीतिक गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। जयपुर में आयोजित तिरंगा रैली पर भी जूली ने निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस विचारधारा ने भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया और तिरंगे के सम्मान को लेकर सवालों के घेरे में रही, वही आज तिरंगा यात्राएं निकालकर देशवासियों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने इसे राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित बताते हुए कहा कि जनता भाजपा के इस कथित दोहरे चरित्र को समझ चुकी है।

31 स्कूली बच्चों ने भरी ''फ्लाइट ऑफ फैंटेसी''

पहली हवाई यात्रा से विद्यार्थियों में बढ़ा आत्मविश्वास

जयपुर। राउंड टेबल इंडिया, जयपुर पिंकसिटी राउंड टेबल 171 एवं सहयोगी संस्थाओं की पहल 'फ्लाइट ऑफ फैंटेसी' के तहत जयपुर के सरकारी स्कूलों के 31 बच्चों ने पहली बार हवाई यात्रा की।

बच्चे सांगानेर एयरपोर्ट से जेवर एयरपोर्ट पहुंचे और इसके बाद राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट व राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का भ्रमण किया। राष्ट्रपति भवन में बच्चों ने देश के इतिहास, लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था की जानकारी ली, जबकि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जवानों के

राउंड टेबल इंडिया, जयपुर पिंकसिटी राउंड टेबल 171 और सहयोगी संस्थाओं की पहल पर सरकारी स्कूलों के 31 बच्चों ने हवाई यात्रा की।

शौर्य व बलिदान से परिचित हुए। यात्रा से पहले बच्चों ने शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर से उनके आवास पर मुलाकात की।

5 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए के इनामी वांछित बदमाश नवरतन बैरवा (30) को गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात के बाद से पुलिस को चकमा देकर लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और सूचना तंत्र की मदद से उसे पकड़ लिया। वारदात के बाद से फरार होने के कारण डीसीपी जयपुर दक्षिण की ओर से उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी को पकड़ने में कांस्टेबल उमेश और रामस्वरूप की विशेष भूमिका रही।

निजी फोटो वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रु.ऐंठे

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा इलाके में फेसबुक के जरिए युवक से दोस्ती कर उसे ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल की रहने वाली आरोपी महिला ने युवक को झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर करीब 5 लाख रुपए ऐंठ लिए। आरोप है कि महिला ने युवक के निजी फोटो और उसके परिजनों की जानकारी हासिल कर उसे लगातार धमकाया। अब और रुपए नहीं देने पर फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी जा रही है। परेशान युवक ने शिवदासपुरा थाने में आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि गोनेर निवासी 28 वर्षीय युवक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार करीब तीन साल पहले फेसबुक पर महिला ने उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। महिला ने बातचीत के दौरान युवक को अपनी बातों में फंसा लिया और जरूरत बताकर रुपए मांगने लगी। पीड़ित का आरोप है कि करीब एक साल बाद महिला युवक से मिलने जयपुर आई। वह उसे घुमाने के बहाने अजमेर दरगाह ले गई। वहां महिला ने कथित तौर पर युवक के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। इसके बाद उसके मोबाइल से परिजनों के फोटो और मोबाइल नंबर निकाल लिए।

ई-रिक्शा में जेब काटकर नकदी चुराने वाली उत्तरप्रदेश की गैंग का पर्दाफाश किया

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर थाना पुलिस ने ई-रिक्शा में सवारी की जेब ब्लेड से काटकर 50 हजार रुपए चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने यूपी के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 50 हजार रुपए की पूरी रकम बरामद कर ली। आरोपी अन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में आदर्श नगर स्थित कब्रिस्तान के पास घूम रहे थे, जहां पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को मेहंदीपुर बालाजी निवासी पुरुषोत्तम प्रजापत ने आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह सामान खरीदने आए थे। ट्रांसपोर्ट नगर से घाटगेट जाने के लिए वह ई-रिक्शा में सवार हुए। रास्ते में दो युवक हाथों में थैला लेकर उनके अगल-बगल आकर बैठ गए। घाटगेट बत्ती से पहले दोनों युवक चलते ई-रिक्शा से कूदकर फरार हो गए। कुछ देर बाद पीड़ित ने जेब संभाली तो उसमें चीरा लगा हुआ था और 50 हजार रुपए गायब मिले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इधर वारदात के खुलासे के लिए थानाधिकारी छगन डांगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आरोपियों के संभावित रास्तों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में सामने आए हुलिए के आधार पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस को आरोपियों के जयपुर में होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने आदर्श नगर स्थित कब्रिस्तान के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे कथित तौर पर एक और वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे। पुलिस के गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुणाल कुमार (21) निवासी कमालगंज जिला फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश, हाल मालपुरा गेट जयपुर पूर्व और गोविंद उर्फ लाला (27) ठठिया जिला कन्नौज, उत्तर प्रदेश, हाल मालपुरा गेट जयपुर पूर्व के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीड़ित से चोरी किए गए 50 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गोविंद उर्फ लाला का आपराधिक रिकॉर्ड है। वह पूर्व में उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो चुका है और उसके पैर में गोली लगी थी। पुलिस के अनुसार गोविंद के खिलाफ लखनऊ, कानपुर और बरेली के विभिन्न थानों में चोरी, आबकारी अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

राजधानी जयपुर में शनिवार देर रात से लेकर रविवार शाम तक रिमझिम बारिश का दौर चला। इससे जयपुर परकोटे समेत शहर के अधिकांश इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गयी। इस कारण वाहन चालकों और पैदल जाने वाले लोगों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

इलाज के दौरान बच्चे की मौत को लेकर परिजन और समाज के लोग धरने पर बैठे

परिजन ने आरोप लगाया कि प्राइवेट क्लिनिक के डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया था

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के एक प्राइवेट क्लिनिक में ढाई साल के बच्चे की मौत के दूसरे दिन परिजन और समाज के लोग महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए, जहां उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने दूसरे दिन भी शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए मना कर दिया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्लिनिक और डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से समझाइश के प्रयास जारी है, लेकिन देर शाम तक कोई सहमति नहीं बन पाई है।

■ **तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर डॉक्टर ने बच्चे को उम्मेद अस्पताल रैफर कर दिया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया**

मामला जोधपुर शहर के महामंदिर थाना क्षेत्र का है, जहां मानजी का हत्था इलाके में स्थित राज क्लिनिक में शनिवार को ढाई साल के जियांश को परिजन इलाज के लिए लेकर आए थे। उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उम्मेद अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने हंगामा किया था और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला था। परिजनों के साथ धरने पर बैठी जियांश की मां ने बताया कि बच्चे को 2-3 दिन से उल्टी-दस्त की तकलीफ थी। गांव में दिखाया तो कोई फर्क नहीं पड़ा। इसलिए जोधपुर लेकर आए। शनिवार सुबह यह सोचकर जल्दी आ गए कि जल्दी पर्ची कट जाएगी और बच्चे का चेकअप हो जाएगा। सुबह 9 बजे क्लिनिक पर पहुंचे, जहां सुबह 11.40 बजे डॉक्टर आया। तब तक बच्चा बातचीत कर रहा था और फ्रूट भी खाए। इसके बाद बच्चे को ड्रिप चढ़ाई तो उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

इस पर डॉक्टर को बताया तो उन्होंने एक और इंजेक्शन ड्रिप में डाल दिया। इसके बाद तबीयत और बिगड़ गई तो डॉक्टर ने उम्मेद अस्पताल रैफर कर दिया। वहां से बच्चे को लेकर परिजन तुरंत उम्मेद हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और बच्चे को न्याय मिले, यही हमारी मांग है।

वहीं, डॉक्टर राज धारीवाल ने कहा कि बच्चे को पिछले तीन दिनों से गंभीर उल्टी-दस्त (डायरिया) की शिकायत थी। जब दो महिलाएं शनिवार सुबह उसे लेकर क्लिनिक आईं, तो बच्चे का ऑक्सीजन लेवल केवल 68 प्रतिशत था और उसका सोडियम भी काफी कम हो चुका था। वे सुबह 7 बजे से ही क्लिनिक के बाहर बैठी थीं, जबकि उन्हें पता था कि मैं सुबह 10:30 बजे आता हूं। मैंने आते ही तुरंत इलाज शुरू किया और उसका ऑक्सीजन लेवल 85 प्रतिशत तक लेकर आया। इसके बाद मैंने खुद उम्मेद अस्पताल में फोन कर डॉक्टर को केस की जानकारी दी और अपने पास से टैक्सी करवाकर परिवार को वहां भेजा। इतना सब करने के बाद भी मुझ पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

मृतक बच्चा जियांश पाली का रहने वाला है। वह बावड़ी, जोधपुर में अपने नाना के पास आया हुआ था। परिजनों के अनुसार, जियांश के पिता अतीश बीमार रहते हैं जबकि मां सुशीला मेड का काम करती हैं।

महामंदिर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चे के शव को महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मेडिकल बोर्ड से बच्चे का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। फिलहाल परिजनों से समझाइश का प्रयास चल रहा है।

शाहपुरा के कल्याणपुरा में खेत पर सो रहे दंपती से मारपीट

अज्ञात लोग महिला से मारपीट कर जेवर व अन्य सामान ले गये

शाहपुरा, (निसं)। सुरली कल्याणपुरा क्षेत्र में एनएच-148 बाइपास के समीप रविवार मध्यरात्रि एक गंभीर वारदात सामने आई है। खेत पर बने छप्पर में सो रहे पति-पत्नी के साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की और महिला के जेवर सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए।

पार्षद दुर्गा लाल कहार ने बताया कि धानमंडी शाहपुरा निवासी धन्ना कहार अपनी पत्नी के साथ खेत पर बने छप्पर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात लोग वहां पहुंचे और दोनों के साथ कथित रूप से बेरहमी से मारपीट की। आरोपियों ने महिला के जेवर एवं अन्य सामान ले लिया। वहीं धन्ना कहार के हाथ-पैर बांधकर उन्हें मौके पर छोड़ दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद घायल धन्ना कहार व उनकी पत्नी केशी देवी कहार को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया गंभीर चोट की वजह से दोनों को भीलवाड़ा उपचार के लिए भेज दिया गया। वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस द्वारा मामले की जांच कर अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना के कारणों और लूटे गए सामान की वास्तविक जानकारी पुलिस जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगी।

हमले में घायल धन्ना कहार को अस्पताल ले जाया गया।

खेत में जुआ खेलते नौ जने गिरफ्तार, नगदी व तीन बाइक जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में संगठित अपराध और अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़लियास थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने गोठड़ा सरहद में देवनारायण मंदिर के पास स्थित एक खेत की टपरी पर दबिश देकर घोड़ी दाने पर दांव लगा रहे 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। मौके से 1.95 लाख रुपये की नगदी, जुआ उपकरण और 3 मोटरसाइकिलें जब्त की गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशों पर थानाधिकारी जसवंत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। गश्त के दौरान डीएसटी से सूचना मिली कि गोठड़ा में बालू गुर्जर द्वारा सिजारे (बंटाई) पर लिए गए खेत में 10-12 लोग समूह बनाकर जुआ खेल रहे हैं। सवाईपुर चौकी से अतिरिक्त जाब्ता मंगवाकर पुलिस टीम ने खेत को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस की आहट मिलते ही बाहर निगरानी कर रहे और अंदर मौजूद कुछ लोग खेत की तारबंदी फांदकर अंधेरे में भाग निकले। हालांकि, कच्ची टपरी में दांव लगा रहे 9 आरोपियों को पुलिस ने मौके पर ही धर दबोचा। बड़लियास थाने में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। पुलिस ने मौके से 1.95 लाख की नगदी, दो प्लास्टिक के घोड़ी दाने और दो प्लास्टिक के गिलास बरामद किए हैं। इसके अलावा सट्टेबाजी में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद जाहिद निवासी गुलनगरी थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा, शाहरूख हुसैन निवासी रामा का कोट थाना बीगोद भीलवाड़ा, मोहम्मद आरीफ निवासी हसमत कॉलोनी थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़, कैलाश चन्द्र निवासी खटीक मोहल्ला थाना सिटी कोतवाली (चित्तौड़गढ़), वसीम निवासी मक्कड़ मस्जिद थाना बीगोद भीलवाड़ा, अब्दुल हकीम निवासी कांवा खेड़ा थाना कोतवाली भीलवाड़ा, फरमान मंसूरी निवासी जूना बाजार थाना सिटी कोतवाली चित्तौड़गढ़, सबीर पठान निवासी भवानी नगर थाना भीमगंज भीलवाड़ा और सद्दाम हुसैन (32) निवासी कस्बा चौकी थाना सिटी कोतवाली (चित्तौड़गढ़) शामिल हैं।

■ **जांच में गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया**

जोधपुर में हल्की बारिश हुई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में रविवार दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से कुछ राहत मिली। मौसम सुहाना हो गया। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, पाल लिंक रोड़, शास्त्री नगर, नेहरू पार्क सहित कई इलाकों में बूंदाबांदी और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 दिन हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने 11 से 14 अगस्त तक यलो अलर्ट जारी करते हुए बारिश की संभावना जताई है। इससे पहले बूंदाबांदी और हल्की बारिश की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में मानसून के सक्रिय होने की उम्मीद है। शनिवार को भी शहर में बारिश का इंतजार रहा, मगर को निराश होना पड़ा। तेज धूप निकली और मौसम बिल्कुल साफ रहा। जिले में बादलों की आवाजाही के चलते तापमान में भी गिरावट आने की संभावना है।

दस हजार का इनामी गिरफ्तार

शाहपुरा, (निसं)। फूलियाकलां उपखंड क्षेत्र के ग्राम रूपपुरा में घर में घुसकर महिला से चाकू की नोक पर सोने के जेवर लूटने के मामले में फरार 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी रोशन उर्फ लोकश कालबेलिया (45) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी 11 फरवरी 2025 की वारदात के बाद से फरार था और बार-बार मोबाइल नंबर बदलकर पुलिस से बच रहा था। साइबर सेल की मदद से पुलिस ने 5 अगस्त को उसे गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस पूछताछ कर रही है। कार्रवाई एसपी सागर राणा के निर्देशन में फूलियाकलां थानाधिकारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में की गई।

रेवदर-कांडला हाइवे पर ट्रक ने कैंपर गाड़ी को टक्कर मारी, चार घायल

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर कैंपर को करीब 20 फीट तक घसीटते हुए ले गया

रेवदर, (निसं)। रेवदर-कांडला हाइवे पर राजेश्वर स्कूल के पास रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। करोटी की ओर से आ रहे बेकाबू ट्रेलर ने रेवदर से करोटी की तरफ जा रही कैंपर गाड़ी को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर कैंपर को करीब 20 फीट तक घसीटते हुए मारुति शोरूम तक ले गया। हादसे में कैंपर सवार एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद कैंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गाड़ी में फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर घायलों को कैंपर से बाहर निकाला और रेवदर अस्पताल पहुंचाया।

■ **राहगीरों और आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर घायलों को कैंपर से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया**

टक्कर के बाद कैंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस थाना रेवदर एएसआई गणेशराम सहित हैड कांस्टेबल हुक्माराम सहित पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारू करते हुए ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर थाने ले गए। साथ ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना दर्दनाक था कि कैंपर चकनाचूर हो गई। जानकारी के अनुसार यह बात भी बताई जा रही है कि ट्रेलर चालक चालक के नशे में होने की संभावना भी जताई जा रही है, यह तो पुलिस द्वारा मेडिकल जांच के बाद में ही ज्ञात हो पाएगा कि चालक शराब के नशे में था या नहीं। गौरतलब है कि पिछले कई समय से इस हाइवे पर कई लोगों ने अपनी जान गवाई है पूर्व में भी क्षेत्र के ग्रामीणों ने हाइवे आंदोलन भी किया, लेकिन अभी तक हादसों का दौर चालू है। गनीमत रही कि हादसा स्थल पर ही विद्यालय है, जहां रोजाना सैकड़ों बच्चे पढ़ने आते हैं, लेकिन रविवार अवकाश होने की वजह से किसी अन्य जनहानि नहीं हुई अन्यथा विद्यालय सुचारु होता तो बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से बड़े हादसे की भी संभावना हो सकती थी।

जहरीले जानवर के काटने से महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। धीरु खां की ढाणी राजगढ़ निवासी खरतवास तारानगर में लिव एंड रिलेशनशिप में रह रही 45 वर्षीय महिला शीला देवी की जहरीले जानवर के काटने से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि नौ जून को विकास खत्रा पुत्र विजय पाल निवासी वार्ड नं. 26 धीरू खां की ढाणी राजगढ़ ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि उसकी सगी भुआ शीला देवी उम्र 45 साल की शादी बजरंग लाल धानक निवासी खरतवास तारानगर के साथ करीब 25 साल पहले हुई थी, जिसके पांच पुत्रियां है। करीब 15 साल पहले उसकी भुआ की बजरंग के साथ अनबन होने के कारण उसकी भुआ राजु नायक निवासी खरतवास के साथ लिव एंड रिलेशनशिप में रहने लग गई। राजू नायक के साथ रहने से तीन संतान एक बेटी व दो पुत्र और हो गए। करीब 2-3 दिन पहले शीला देवी को किसी जहरीले जानवर ने पैर पर काट लिया था। घाव का इलाज करवाया गया तथा झाड़ फूंक करवाया गया परंतु कोई असर नहीं हुआ तथा तबियत ज्यादा बिगड़ गई। स्थिति बिगड़ने पर नौ जून को दोपहर 1:15 बजे शीला देवी की मौत हो गई। राजगढ़ थाना पुलिस ने मृतका के भतीजे की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर जांच सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह भाडी को सौंपी है।

जोधपुर में दो वाहन चोर गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के भगत की कोठी थाना पुलिस ने दो शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 7 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी शहर के अलग-अलग इलाकों से गाड़ियां चुराते थे। पुलिस ने इस कार्रवाई के लिए करीब 700 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और गुप्त सूचनाओं के आधार पर आरोपियों को दबोच लिया।

■ **पुलिस ने 700 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और आरोपियों को दबोच लिया**

भगत की कोठी थाने में जनता कॉलोनी निवासी मुकेश कुमार मीणा (42) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि 23 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे उन्होंने अपनी बाइक पाई क्लासेज, सेंट एन्स स्कूल के पास दीवार के पास खड़ी की थी। शाम 5:30 बजे जब वे वापस लौटे तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी संतोष चौधरी ने चोरी की घटनाओं का एक डेटाबेस तैयार किया। इसके बाद एएसआई सैठाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने इलाके के लगभग 700 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों को चिन्हित कर हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने 7 मोटरसाइकिलें चुराने की बात कबूल कर ली। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर अलग-अलग स्थानों से चोरी की 7 मोटर साइकिलें बरामद की गईं। पुलिस ने सुनील चौधरी (30) निवासी 48, सांगरिया और जोगसिंह (20) निवासी सांगरिया, बासनी को गिरफ्तार किया। आरोपी सुनील के खिलाफ पहले से वाहन चोरी के 5 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

"एक शिक्षक-एक वृक्ष" अभियान में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

झुंझुनूं, (निसं)। श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय, झुंझुनूं में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) की स्थानीय इकाई की ओर से शुक्रवार को "एक शिक्षक-एक वृक्ष" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के साथ अधिकाधिक पौधे लगाने का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सिंह ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना भी आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधे को पेड़ बनाने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। मुख्य अतिथि प्रो. सुरेंद्र डी. सोनी, प्रदेश सेवा आयाम प्रमुख, ने कहा कि शिक्षक समाज में सकारात्मक बदलाव के सबसे प्रभावी माध्यम हैं। शिक्षकों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। इस अवसर पर जिला सचिव डॉ. विकास भड़िया, जिला उपाध्यक्ष डॉ. शशि प्रकाश, इकाई सचिव प्रो. मान सिंह मान तथा इकाई सह-सचिव डॉ. शुभ करण सहित महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान महासंघ की स्थानीय इकाई के पदाधिकारियों ने कहा कि अभियान को निरंतर आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक शिक्षकों और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सिंघाना में नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ मेडिकल स्टोर पर दबिश, एक युवक हिरासत में

सिंघाना, (निसं)। कस्बे के बाइपास सर्किल स्थित एक मेडिकल स्टोर पर रविवार को पुलिस एवं जिला औषधि नियंत्रक विभाग की संयुक्त टीम ने नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने मेडिकल स्टोर की जांच के दौरान ट्रामाडोल की चार पत्तियां बरामद कीं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में नशीली दवाओं का अवैध कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया।

■ **ट्रामाडोल की चार पत्तियां बरामद, सप्लाई नेटवर्क खंगालने में जुटी टीम**

जानकारी के अनुसार डीएसटी प्रभारी हेमराज मीणा को बाइपास सर्किल स्थित मेडिकल स्टोर से नशीली दवाओं की बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस एवं जिला औषधि नियंत्रक विभाग की संयुक्त टीम ने मेडिकल स्टोर पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम को ट्रामाडोल की चार पत्तियां मिलीं, जिन्हें जब्त कर लिया गया। कार्रवाई के बाद पुलिस ने मौके से एक युवक को हिरासत में लिया और उससे दवाओं के संबंध में पूछताछ शुरू की। पुलिस एवं औषधि विभाग की टीम बरामद दवाओं की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दवाओं की आपूर्ति कहां से हुई और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जा रहा था। मामले में दवाओं के दस्तावेज, बिक्री एवं सप्लाई से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। सिंघाना थाना प्रभारी सीआई सुगन सिंह ने कहा कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री और अवैध कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए पुलिस द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। नशीली दवाओं की अवैध बिक्री करने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी। कार्रवाई के दौरान जिला औषधि नियंत्रक सरीता मीणा, लोकेश सिंह, सीआई सुगन सिंह, डीएसटी प्रभारी हेमराज मीणा, सुरेंद्र काजला, हरकेश मीणा और हर्ष फोगाट सहित पुलिस एवं औषधि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

किशोरी की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। स्थानीय लाटा गली स्थित मीना मोहल्ला में एक किशोरी की पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई। उदेई मोड थानाधिकारी ने बताया कि लाटा वाली गली में किशोरपुर निवासी अरविन्द मीना की पुत्री श्वेता मीना रात्री करीब दो बजे टॉयलेट करने के लिए गई थी जो कि अचानक घर में छह फीट से अधिक गहरे पानी के टैंक में गिर गई। पता चलने पर परिजनों ने किशोरी को टैंक से बाहर निकाला और हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सकों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। रात्री में शव को मोर्चरी में रखवाया गया। सुबह पुलिस ने परिजनों के पोस्टमार्टम नहीं कराने की लिखित में देने के बाद पंचनामा बनाकर शव परिजनों के सुपर्द कर दिया।

धौलपुर जिले में नाकाबंदी में संदिग्ध वाहनों की जांच

धौलपुर, (निसं)। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में धौलपुर पुलिस द्वारा रविवार प्रातः पांच बजे से नौ बजे तक जिलेभर में 'ए' श्रेणी की विशेष नाकाबंदी की गई।

■ **नाकाबंदी के दौरान जिलेभर में पुलिस टीमों द्वारा 2,086 वाहनों को चैक किया गया**

जिले के समस्त थानाधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थानों एवं चेकिंग प्वाइंट्स पर प्रभावी एवं सुनियोजित तरीके से नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की गहन जांच की गई।

'ए' श्रेणी की नाकाबंदी के दौरान जिलेभर में पुलिस टीमों द्वारा 1,329 दुपहिया एवं 757 चौपहिया सहित कुल 2,086 वाहनों को चैक किया गया। चेकिंग के दौरान वाहनों की तलाशी लेने के साथ वाहन चालकों के ड्राइविंग दस्तावेजों, वाहनों के पंजीकरण एवं स्वामित्व तथा सवार व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन किया गया। वाहनों की त्वरित जांच एवं सत्यापन के लिए राजकॉप एप का भी प्रभावी उपयोग किया गया। पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार कार्रवाई की गई। नाकाबंदी के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 189 वाहन चालकों के विरुद्ध भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

प्रस्तावित कोटपुतली-किशनगढ़-अजमेर ग्रीन एक्सप्रेस-वे को निरस्त करने मांग

पाटन, (निसं)। प्रस्तावित कोटपुतली-किशनगढ़-अजमेर ग्रीन एक्सप्रेस-वे को निरस्त करने की मांग को लेकर रविवार, 9 अगस्त को नीमकाथाना किसान महापंचायत के नेतृत्व में सैकड़ों किसान नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी के छावनी स्थित आवास पर एकत्रित हुए। किसानों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे का मुद्दा विधानसभा में उठाने तथा किसानों की मांग को सरकार तक पहुंचाने की अपील की।

किसान महापंचायत की ओर से कहा गया कि प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे के लिए करीब 100 मीटर चौड़ी जमीन अधिग्रहण किए जाने तथा लगभग 15 फीट ऊंचे सड़क मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के किसानों की बेशकीमती कृषि भूमि प्रभावित होगी। किसानों ने परियोजना को निरस्त करने की मांग करते हुए कहा कि उनकी जमीन और आजीविका से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। किसानों के अनुसार पनियाला मोड़, कोटपुतली से लेकर किशनगढ़-अजमेर तक प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे के विरोध में विभिन्न उपखंड स्तर पर आयोजित जनसुनवाई, ट्रैक्टर रैली और अन्य विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से लगातार आवाज उठाई जा रही है। किसानों और किसान महापंचायत ने इन कार्यक्रमों में परियोजना का विरोध दर्ज करवाते हुए सरकार से इसे निरस्त करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान किसान महापंचायत के प्रदेश महामंत्री एवं संघर्ष समिति के संयोजक सुंदर लाल बाबरिया, प्रदेश मंत्री गोवर्धन सिंह तेतरवाल, सीकर जिला अध्यक्ष बलदेव यादव, नीमकाथाना तहसील अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, मंडल अध्यक्ष माली राम यादव झाड़ली, नीमकाथाना ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मदन लाल सैनी सहित पाटन एवं नीमकाथाना तहसीलों के किसान महापंचायत के विभिन्न ग्राम इकाई अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने कहा कि ग्रीन एक्सप्रेस-वे से प्रभावित होने वाले किसानों की समस्याओं और आपत्तियों को गंभीरता से सुना जाए तथा परियोजना को लेकर किसानों की सहमति एवं उनके हितों को प्राथमिकता दी जाए। किसानों ने विधायक से विधानसभा में मजबूती से पक्ष रखते हुए सरकार के समक्ष इस मांग को उठाने का आग्रह किया।

किसान महापंचायत के नेतृत्व में किसानों ने विधायक सुरेश मोदी को ज्ञापन सौंपा।

■ **किसानों ने विधायक से प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे का मुद्दा विधानसभा में उठाने तथा किसानों की मांग को सरकार तक पहुंचाने की अपील की**

'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100 प्रतिशत से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।'

- वीवीएस लक्ष्मण

पुर्व भारतीय खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के चोटिल होने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जैक लिबी

ऋतुराज गायकवाड के लिस्ट ए क्रिकेट के सबसे ज्यादा बल्लेबाजी औसत के वर्ल्ड रिकॉर्ड को इंग्लैंड के जैक लिबी ने पीछे छोड़ दिया। लिबी ने वनडे कप में लगातार तीन मैचों में 109-109 रन की शानदार पारियां खेलकर अपना औसत 61।40 तक पहुंचा दिया। गायकवाड़ के नाम अभी तक लिस्ट ए में सबसे अधिक औसत का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज था, जिसे लिबी ने लगातार तीन मैचों में तीन शतक जड़कर तोड़ दिया है। लिस्ट ए (50-50) ओवर के क्रिकेट में अभी तक गायकवाड़ राज कर रहे थे और उनका बल्लेबाजी औसत 58।61 का था, जो दुनिया में बाकी किसी बैटर का नहीं था।

क्या आप जानते हैं ?।। ब्राजील: 5 बार (1958, 1962, 1970, 1994, 2002)। ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जो हर फीफा विश्व कप (1930-2026) में शामिल रही है।

भारत ने वॉर्मअप मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर की लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। कोलंबो में मैच के आखिरी दिन रविवार का खेल समाप्त होने से पहले भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा के ओवर की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। हालांकि, भारत की जीत के बाद भी खेल जारी रहा।

उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। फिर श्रीलंका क्रिकेट ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका- ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?: भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। दरअसल प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी: वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में राहुल ने कप्तानी की। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा था- 'एहतियात के तौर पर गिल श्रीलंका क्रिकेट के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।'

जडेजा और बरार ने 2-2 विकेट लिए : श्रीलंका- ने दूसरी पारी में 45 ओवर में 6 विकेट पर 200 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। निशान फर्नांडो ने 63 रन बनाए, जबकि निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन का योगदान दिया। रमेश मेंडिस 16 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बरार ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला।

पडिक्कल ने नाबाद 142 रन बनाए : भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 63, केएल राहुल ने 40, मानव सुथार ने 41 और गुनूर बरार ने नाबाद 36 रन बनाए। श्रीलंका- की ओर से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट लिए, जबकि विश्वा फर्नांडो और केशारा नुवान्था को एक-एक सफलता मिली।

कोरियन मास्टर्स जीतकर अशिमता चालिहा ने रचा इतिहास, सिंधु के मुकाम पर रखा कदम

नई दिल्ली। भारतीय शटलर अस्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। अस्मिता ने इंजरी के बाद वापसी करते हुए अपने करियर का पहला वर्ल्ड टूर टाइटल कोरियन मास्टर्स 300 टूर्नामेंट अपने नाम किया। इसके साथ ही वह भारत के लिए साल 2026 में वर्ल्ड टूर टाइटल जीतने वाली चौथी भारतीय महिला शटलर बन गईं। इस लिस्ट में सिंधु, देविका और तन्वी शर्मा का नाम भीशामिल है।

अस्मिता चालिहा ने रचा इतिहास: असम से आने वाली अस्मिता चालिहा ने शानदार खेल का नजारा पेश किया और कोरिया मास्टर्स सुपर 300 का खिताब अपने नाम किया। अस्मिता ने फाइनल में चीन की हान कीआन सी को तीन गेम तक चलने वाले मुकाबले में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इसके साथ ही अस्मिता ने अपने करियर का पहला वर्ल्ड टूर टाइटल हासिल किया, जिससे वो भारत के लिए वर्ल्ड टूर टाइटल में वीमेंस सिंगल्स का खिताब जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं। इससे पहले भारत की तन्वी शर्मा ताइपे ओपन में, पीवी सिंधु जापान ओपन में और देविका सिंहाग थाईलैंड मास्टर्स में जीत हासिल कर चुकी हैं, जबकि साइना नेहवाल भी वर्ल्ड टूर टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं। अस्मिता चालिहा ने इंजरी के बाद की वापसी: 26 साल की अस्मिता की बात करें तो फाइनल मुकाबले से पहले वह 50वीं रैंक की खिलाड़ी थीं। अब फाइनल जीतने के बाद उनकी रैंक 39वीं हो गई है। हालांकि असम से आने वाली स्टार शटलर अस्मिता इस माह भारत में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सकेंगी।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं? भुवनेश्वर कुमार ने भविष्य पर पहली बार तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुएभुवनेश्वर कुमारने कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने इस फ्रेंचाइज के लगातार दूसरे बार खिताब जीतने के अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन के बाद से उम्मीद की जा रही है कि भुवनेश्वर कुमार को भारतीय टीम में फिर से खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन अभी तक उनका सेलेक्शन नहीं हुआ है। भुवी ने अब इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि अगर टीम इंडिया की कॉल आती है तो वे बिल्कुल खेलेंगे। इसके लिए मना क्यों करेंगे।

36 साल के भुवनेश्वर ने आईपीएल 2026 में 16 मैच में 28 विकेट लिए थे जो 7।95 की इकॉनमी के साथ आए थे। वे टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। अभी वे यूपीटी20 में खेलते हुए नज़र आएंगे। इससे पहले आज तक से बात करते हुए भुवी ने टीम इंडिया में सेलेक्शन के सवाल पर कहा, मेरा काम क्रिकेट खेलना है। मैं इसलिए यूपी टी20 खेलने आया हूं और मैं यह इसलिए खेलने नहीं आया हूं कि मुझे कहीं और जाना है या किसी और लेवल पे जाना है। आईपीएल खेलते हैं, क्योंकि पता है खेलना है, परफॉर्म करना है, क्योंकि टीम को जिताना है। मैं इसलिए खेलने नहीं आया हूं कि मुझे कहीं और पिक होना है या किसी ने कुछ कहा है।

भुवी के लिए इन सीरीज में बन सकता है मौका: आईपीएल 2026 के बाद से भारतीय टीम ने आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के साथ टी20 सीरीज खेली है। अब एशियन गेम्स है। साथ ही वेस्ट इंडीज और अफगानिस्तान के साथ भी टी20 सीरीज प्रस्तावित है। एशियन गेम्स और वेस्ट इंडीज सीरीज का शेड्यूल आपस में टकरा रहा है। ऐसे में भुवी के लिए जगह बन सकती है। आर अश्विन जैसे कई पूर्व क्रिकेटर भी इस तेज गेंदबाज को फिर से शामिल करने की मांग कर चुके हैं। भुवनेश्वर कुमार ने सेलेक्शन के सवाल पर क्या कहा: भुवी ने इस बारे में कहा, जो सब बोल रहे हैं वह उनकी राय है। मेरा काम क्रिकेट खेलने का है। मैं इसलिए नहीं आया हूं कि मुझे अच्छा करना है या जैसे मैंने बोला कि मुझे आगे जाना है।

जयपुर की गंगानगर पर 4-0 से शानदार जीत

जयपुर, 9 अगस्त।कोच विश्वजीत सिंह के मार्गदर्शन में जयपुर ने गंगानगर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत से ही जयपुर ने बेहतरीन सामरिक समझ, अनुशासित खेल और मजबूत टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। टीम ने पूरे मैच के दौरान प्रभावशाली आक्रामक फुटबॉल खेली और बेहतरीन तालमेल के साथ गंगानगर की टीम पर दबाव बनाए रखा। जयपुर की ओर से युवराज ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन हैट्रिक लगाई और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं नील नीरज ने एक और गोल करते हुए जयपुर के स्कोर को 4-0 तक पहुंचाया। जयपुर की टीम ने पूरे मुकाबले में उत्कृष्ट सामरिक अनुशासन, बेहतर पासिंग और प्रभावी आक्रमण का परिचय देते हुए शुरुआत से अंत तक खेल पर अपनी पकड़ बनाए रखी।

बीकानेर में पहली बार फ्लड लाइट में लगे निशाने, हर तीर के साथ गूंजती रहीं तालियां

बीकानेर। रेलवे ग्राउंड पर रविवार को नजारा किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी मैदान से कम नहीं था। कारण की पहली बार अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक फ्लड लाइट में तीरदांजी के मुक़ाबले हुए। सामने लक्ष्य, हाथों में धनुष और पूरी एकाग्रता के साथ निशाना साधते तीरंदाज।।। जैसे ही तीर लक्ष्य के बीचोंबीच जाकर लगा, मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में चल रही सीनियर राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप-2026 के दूसरे दिन इंटरनेशनल, नेशनल और स्टेट लेवल के तीरंदाजों के बीच कई रोचक मुकाबले हुए। सभी मुकाबले दुधिया रोशनी में हुए।

रविवार होने के कारण मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी रेलवे ग्राउंड पहुंचे। दर्शक हर सटीक निशाने पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। कई मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। प्रतियोगिता के दौरान कई नए रिकॉर्ड बने और कुछ पुराने रिकॉर्ड भी ध्वस्त हुए।

राजस्थान में तीरंदाजी का माहौल मजबूत हुआ : गुर्जर- राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि बीकानेर में आयोजित यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में तीरंदाजी का वातावरण लगातार मजबूत हुआ है। प्रदेश के तीरंदाज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर राजस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और संघ के निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि राजस्थान ने तीरंदाजी में अपनी अलग पहचान बनाई है।

उम्मीद से ज्यादा खिलाड़ी पहुंचे, प्रतियोगिता बनी चयन का आधार: आयोजन सचिव एवं भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच अनिल जोशी ने कहा कि प्रतियोगिता में उम्मीद से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि खिलाड़ी पारदर्शी और बेहतर आयोजन में विश्वास जताते हैं। उन्होंने कहा कि बीकानेर ने राजस्थान में तीरंदाजी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यहां से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

शाहनवाज खान ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज जीता

अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने रविवार को अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया। 18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले शनिवार को आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता।

तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग: एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन। फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। शुरुआत में पीछे रहने के बाद शाहनवाज ने पूरी ताकत लगाई। उन्होंने तीसरे राउंड में शानदार 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ इसे मजबूत किया।

इटली के इंजोली ने जीता स्वर्ण: इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

बासंत मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता: इससे पहले बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के शहर अनूपगढ़ के 19 साल क मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की थी। उन्होंने चैंपियनशिप के चौथे और अंतिम से एक पहले दिन शनिवार को यह उपलब्धि हासिल की। यह 2.21 मीटर की छलांग उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने गोल्ड और ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

साई सुदर्शन की जगह सरफराज को मिलेगा मौका?

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में चोटिल साई सुदर्शन की जगह भारत के बल्लेबाज सरफराज खान को शामिल किए जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि सुदर्शन को चोट लगी है, जिसके कारण वे आने वाली सीरीज से बाहर हो सकते हैं। टीम को लेकर अंतिम -फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा लिए जाने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि, श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में चोटिल साई सुदर्शन की जगह सरफराज खान को शामिल किए।

सीकर बीकानेर जयपुर कोटा ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 9 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में ग्राम फरड़ोद में राजस्थान जूनियर बालक राज्य फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जो आज 7 अगस्त से 10 अगस्त तक आयोजन हो रहा है राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया, आज खेले गए मैचों में जयपुर ने गंगानगर को 4- 0 से हराया, बीकानेर ने प्रतापगढ़ को 5-0 से हराया , कोटा ने अलवर के बीच 7-0 से हराया, सीकर ने भीलवाड़ा को 5-0 से पराजित किया राजस्थान फुटबाल संघ के चेयरमैन डॉ प्रहलाद फ़रदौद ने सेमी फाइनल में पहुंचने वाली सभी टीमों को बधाई दी। कल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच कल सुबह 8:00 बजे और 9:30 बजे खेले जाएंगे।

बांग्लादेश दौरे को लेकर हरकत में आया बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारत के बांग्लादेश दौरे का भविष्य अभी भी अंधेरे में है। टीम इंडिया को पिछले साल ही बांग्लादेश का दौरा करना था, जहां तीन वनडे और उतने ही टी20 मैच खेले जाने थे। भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय टीम वहां खेलने के लिए नहीं गई थी। भारत सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसको लेकर हरकत में आ गई है। सूत्रों की मानें, तो बीसीसीआई ने बांग्लादेश के दौरे को लेकर सरकार से बातचीत करने का फैसला किया है। बता दें कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के लिए अगस्त सितंबर की विंडो निकाली है। इसके लिए उन्होंने तारीख भी निर्धारित कर लिया है। हालांकि, ये दौरा भारत सरकार की अनुमति पर ही निर्भर करता है।

बीसीसीआई सरकार से करेगा बातचीत: बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि बोर्ड इस समय अपने स्तर पर कोई निर्णय नहीं ले सकता। वे सरकार से अनुमति और दिशा-निर्देश मांगेंगे। अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है लेकिन जल्द ही सरकार से बात की जाएगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई को पत्र लिखा है और दोनों बोर्ड लगातार संपर्क में हैं। जल्द ही स्थिति और साफ होने की उम्मीद है। बीसीबी के मुताबिक सीरीज का शेड्यूल: बीसीबी ने 29 अगस्त से 15 सितंबर के बीच सफेद गेंद की सीरीज के लिए विंडो रखी है।

पीएम मोदी कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिले

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर प्लेयर्स के साथ एक रील शेयर की। 32 सेकेंड की इस रील में वे गोल्ड मेडलिस्ट मुक्केबाज साक्षी चौधरी और अन्य प्लेयर्स के साथ नजर आए। इसमें प्रधानमंत्री ने कहा- 'जो खेलेगा, वो खिलेगा।' उन्होंने आगे कहा- ऑल्वेज चीयर फॉर भारत...भारत माता की जय। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा। मुक्केबाजों ने सबसे ज्यादा मेडल जीते: भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते। यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला। वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

मलिंगा-असलंका के कहर से गॉल ने पहली बार जीता लंका प्रीमियर लीग का खिताब

नई दिल्ली। साल 2020 से शुरू होने वालीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में गॉल गैलेंट्स ने इतिहास रच दिया. गॉल की टीम ने फाइनल में जाफना किंग्स के खिलाफइशान मलिंगा (3 विकेट) और चरित असलंका (3 विकेट) ने कहर बरपा दिया. जिससे तीन बार की चैंपियन टीम जाफना किंग्स 123 पर ही ढेर हो गई और इसके जवाब में गॉल ने आसानी से पांच विकेट से जीत दर्ज करके पहली बार लंका प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया। 123 पर ही ढेर हो गई तीन बार की चैम्पियन: लंका प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला कोलंबो के मैदान पर खेला गया. इसमें जाफना किंग्स पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो इशान मलिंगा और चरित असलंका ने किसी को टिकने नहीं दिया. जाफना के लिए सबसे अधिक 32 गेंद में 41 रन सिर्फ सलामी बैटर कामिल मिषारा ही बना सके. जबकि उनके अलावा बाकी कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सका. असलंका ने चार ओवर के स्पेल में 20 रन देकर तीन विकेट झटके तो मलिंगा ने भी चार ओवर में सिर्फ 25 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए. इन दोनों की कहर गेंदबाजी के आगे जाफना की टीम फाइनल में 19.3 ओवर तक बैटिंग करके 123 रन ही बना सकी।

गॉल पहली बार बनी चैम्पियन: जाफना किंग्स के बाद जब गॉल की टीमबैटिंग करने मैदान पर आई तो उसकेअभी 10 रन पर दो विकेट गिर चुके थे। तभी थॉमस रोजर्स ने 27 गेंद में 34 रन बनाए तो 19 गेंद में 31 रन की पारी दिनुरा ने खेली। इन दोनों की छोटी पारी से ही मैच हल्का हो गया था और गॉल की टीम ने आसानी से 15.5 ओवर में ही पांच विकेट पर 126 रन बनाकर पांच विकेट से मैच को अपने नाम कर लिया. जिससे साल 2020 से शुरू होने वाली इस लीग के छठे एडिशन में गॉल ने पहली बार ट्रॉफी को अपने नाम किया. वहीं जाफना ने लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई तो उसे इस बार रनर-अप से संतोष करना पड़ा।

रोहित शर्मा को लेकर पूर्व भारतीय दिग्गज ने अगरकर को दी सलाह

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा खेलेंगे या नहीं, इसको लेकर बहस तेज हो गई है, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में फ्लॉप होने के बाद हिट मैन के संन्यास की बातें सामने आने लगी थी लेकिन लॉर्ड्स वनडे में रोहित ने शतक लगाकर आलोचकों को करारा जवाब दे दिया था। लेकिन इसके बाद भी रोहित के फ्यूचर प्लान को लेकर बीसीसीआई की आलोचना हो रही है। भारत के सीनियर खिलाड़ियों के साथ बीसीसीआई की ओर से सीधा संवाद न करने से पूर्व दिग्गज भी हैरान हैं और अपना माथा पकड़ लिया है। ऐसे में अब हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अर्जीक्य रहाणे ने को दो टूक सलाह दी है। रहाणे का सीधा मानना है कि रोहित से सीधा संवाद होना चाहिए। उन्हें यह बता देना चाहिए कि आप वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं खेलेंगे। लुका छिपी का खेल बंद होना चाहिए। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए रहाणे ने इस बारे में अपनी राय दी और कहा, ''मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को यह बताना जरूरी है कि वह 2027 वर्ल्ड कप खेलेंगे। अगर आप इतने सालों में उनका योगदान देखें, तो यह कमाल का रहा है। इसलिए आपको वर्ल्ड कप में ऐसे खिलाड़ी के अनुभव की जरूरत है। यह चर्चा होनी ही नहीं चाहिए।

चार रिकॉर्ड के साथ मायरा बनीं 'गोल्ड गर्ल'

जयपुर, 9 अगस्त: दिल्ली की मायरा सिंह साध 42वीं सब-जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप की 'गोल्ड गर्ल' बनकर उभरीं। उन्होंने चार स्वर्ण पदक जीते और चारों स्पर्धाओं में नए मीट रिकॉर्ड बनाए। प्रतियोगिता का आयोजन यहां एसएमएस स्टेडियम स्विमिंग पूल में हुआ।

मायरा ने रविवार को अंतिम दिन भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लडकियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में नए मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की लक्ष्मी सहस्त्रा सिरापरापु ने रजत और कर्नाटक की गायत्री सोमयाजी ने कांस्य पदक जीता। लड़कों के वर्ग में तमिलनाडु के अब्दुल हफीज, कर्नाटक के एस। कृष्ण और ओडिशा के सौरव पटेल ने भी अपने-अपने मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

लडकियों की अन्य स्पर्धाओं में असम की कस्तूरी गोगोई ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक की इंचारा एचआर ने रजत और सिरी प्रीतम ने कांस्य पदक जीता। कर्नाटक की रिथान्या शिवकुमार ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की कनेश्का एस। शिवकुमार ने रजत और दिल्ली की मायरा सिंह साध ने कांस्य पदक जीता।

बंगाल की सानिथि मुखर्जी ने 200 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक की मान्या आर। वाधवा ने रजत और गुजरात की ध्यानि पटेल ने कांस्य पदक जीता। तमिलनाडु की धिवाश्री केसवन ने लडकियों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण पदक जीते। 50 मीटर बैकस्ट्रोक में केरल की श्रेया बिनी ने रजत और हरियाणा की सेरेना सरोहा ने कांस्य पदक जीता।

100 मीटर फ्रीस्टाइल में तेलंगाना की शिवानी कार्रा ने रजत और केरल की इंद्रायनी एम। मेनन ने कांस्य पदक जीता। तमिलनाडु के हफीज ने लड़कों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता। मणिपुर के डेविड सपाम ने रजत और मंगहलसाना थांगजाम ने कांस्य पदक जीता।

कर्नाटक के एस। कृष्ण ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु के एपी आर्या सथार ने रजत और तेलंगाना के आरुष दास ने कांस्य पदक जीता।

एसएससीबी के आयुष चौहान ने लड़कों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक के डैनियल इमैनुएल साल्दान्हा दूसरे और छत्तीसगढ़ के गौरव राज तीसरे स्थान पर रहे। ओडिशा के सौरव पटेल ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश के शिवेंद्र यादव ने रजत और असम के हृद्स्पंदन सरमा ने कांस्य पदक जीता। लड़कों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल का स्वर्ण पदक एसएससीबी के अविनाश निषाद ने जीता। दिल्ली के युवराज ने रजत और बिहार के श्रेयांश यादव ने कांस्य पदक जीता।

राजस्थान के एकमात्र पदक की उम्मीद देव कुमार 100 मीटर फ्रीस्टाइल में गलत शुरुआत (फॉल्स स्टार्ट) के कारण दुर्भाग्य से अयोग्य घोषित कर दिए गए। राजस्थान स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि ओवरऑल मेडल टैली में तमिलनाडु 13 स्वर्ण पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। कर्नाटक 10 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे और बंगाल छह स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

व्यास ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों, सदस्यों और सभी टीमों के अधिकारियों का धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि डीजीपी राजीव शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

जब तिरंगा हाथ में होता है, तो स्वाभिमान बढ़ जाता है- भजनलाल

जयपुर में बारिश के बीच नड्डा व भजनलाल के नेतृत्व में भाजपा ने तिरंगा यात्रा निकाली

- केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि तिरंगा यात्रा देश की गहरी भावनाओं और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा जन आंदोलन है।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त 1947 में फहराया गया पहला तिरंगा दौसा से बनकर गया था।

जयपुर, 9 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को जयपुर में बारिश के बीच भव्य राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली गई। अल्बर्ट हॉल से शुरू हुई इस यात्रा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहनदास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाथों में तिरंगा लेकर भाग लिया। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल से रवाना होकर रामनिवास बाग चौराहा और सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पहुंची, जहां इसका भव्य समापन हुआ।

तिरंगा यात्रा से पूर्व अल्बर्ट हॉल पर सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि देश की गहरी भावनाओं और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा जनआंदोलन है। तिरंगा भारत की एकता, विविधता और राष्ट्रीय गौरव का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगे का राजस्थान की वीर धरा से गहरा ऐतिहासिक संबंध है। 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के अवसर पर पहली बार फहराया गया तिरंगा राजस्थान के दौसा से बनकर गया था। उस समय दौसा जयपुर रियासत का हिस्सा था।

जयपुर में रविवार को बारिश के बीच अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा हाथ में तिरंगा लहराते चल रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जब भी हमारे हाथ में तिरंगा होता है, हमारा स्वाभिमान और राष्ट्रगौरव और अधिक बढ़ जाता है। तिरंगा हमारी अनेकता में एकता और विविधता का सबसे बड़ा प्रतीक है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि स्कूल के दिनों में गलियों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरियां निकाली जाती थीं और विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे देशभक्ति के गीत गूंजते थे। आज निकाली जा रही तिरंगा यात्रा युवाओं में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रसेवा के उसी भाव को मजबूत कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल हुए सभी अतिथियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन का आभार व्यक्त किया। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

अंतिम चरण में है होर्मुज़ पर ईरान और ओमान के बीच वार्ता

अमेरिका व ईरान के बीच फिलहाल मध्यस्थों के माध्यम से ही बातचीत हो रही है

- ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि विशेषज्ञ नये मार्गों पर काम कर रहे हैं। पुराने मार्गों के स्थान पर नये समुद्री रास्तों का इस्तेमाल किया जा सकता है। पर इसका मतलब होर्मुज़ को पूरी तरह खोलना नहीं है।

तेहरान, 09 अगस्त। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत दोबारा शुरू करने की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि जब तक वाशिंगटन समझौता ज्ञापन के कथित उल्लंघन को समाप्त नहीं करता और उसके लिए मुआवजा नहीं देता, तब तक तेहरान बातचीत की मेज पर लौटने के लिए तैयार नहीं है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज के हवाले से बताया कि रविवार को तेहरान में पत्रकारों से बातचीत में अराघची ने कहा कि फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच कोई सीधी वार्ता नहीं हो रही है। हालांकि, मध्यस्थों के जरिए दोनों देशों के बीच संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थ बातचीत दोबारा शुरू करने के संभावित रास्ते तलाश रहे हैं।

अराघची ने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ वार्ता बहाल करने के लिए समझौते के कथित उल्लंघन को खत्म करना और उसकी भरपाई जरूरी है। उनके मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में प्रत्यक्ष बातचीत फिर शुरू होने की कोई संभावना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्री ने ओमान के साथ होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही के लिए नए समुद्री मार्ग तय करने पर बातचीत अंतिम चरण में है।

अराघची के अनुसार, विशेषज्ञ नए मार्गों पर काम कर रहे हैं और पुराने मार्गों के स्थान पर नए समुद्री रास्तों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि नए समुद्री मार्ग पर समझौता होने का मतलब होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलना नहीं है।

उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने का फैसला कई शर्तों पर निर्भर करेगा।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई भी पहले कह चुके हैं कि फिलहाल तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत नहीं हो रही है। उनके मुताबिक, ओमान के साथ चल रही बातचीत का उद्देश्य होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित समुद्री आवाजाही के लिए अस्थायी व्यवस्था तैयार करना है।

इस्माइल बकाई ने कहा कि यह मामला ईरान और ओमान से जुड़ा है क्योंकि दोनों देश होर्मुज़ जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

बारामती में ट्रेनिंग विमान फिसला, दोनों पायलट सुरक्षित

मुंबई, 09 अगस्त। महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर रविवार को एक ट्रेनिंग विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में विमान में सवार इंस्ट्रक्टर और ट्रेनी पायलट दोनों सुरक्षित हैं।

बारामती पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि निजी फ्लाइट ट्रेनिंग संस्थान कार्वर एविएशन का सैसना-172 ट्रेनिंग विमान रविवार दोपहर बारामती एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था। इसी दौरान विमान रनवे से फिसल गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान का एक हिस्सा पास के लाइट पोल से टकराया और इसके बाद विमान रनवे की सीमा से बाहर चला गया। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे। दोनों पायलट सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और एयरपोर्ट प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच कार्य शुरु किया।

एनर्जी ड्रिंक्स पर अजीबो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाना मुश्किल है। दुनिया के कुछ रैगुलेटर्स ने एनर्जी ड्रिंक को लेकर स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं जताई हैं। उनकी चिंता है कि इनमें अधिक मात्रा में कैफीन, चीनी और टॉरिन (एक तरह का एमीनो एसिड) की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इंग्लैंड में अगले साल अप्रैल से 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए इनकी बिक्री पर रोक लगा दी जाएगी।

उद्योग के सूत्रों ने यह भी बताया कि बैवरेज बनाने वाली कंपनियां भारत सरकार से गुहार लगा रही हैं कि कुछ राज्य सरकारों द्वारा एनर्जी ड्रिंक को जब्त करने की कार्यवाही रोकी जाए। पिछले महीने भारत के राजस्थान राज्य ने अपनी कार्रवाई के तहत पेप्सी के "स्टिंग", रिलायंस के "कैंपा एनर्जी" और रेड बुल की हजारों बोतलें और कैन जब्त किए थे। रॉयटर्स को दिए एक बयान में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के खाद्य सुरक्षा कार्यालय ने कहा कि वहां भी स्टॉक जब्त किया जाएगा। कार्यालय ने कहा, जब्ती की कार्रवाई जिला स्तर पर पहले से चल रहे इंस्पैक्शन अभियान का हिस्सा है। कार्यालय ने बताया कि दुकानदारों और वितरकों के पास मौजूद पेय पदार्थों के लेबल की जांच की जा रही है।

रविवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी और अन्य घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। पुलिस कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार यात्रा शुरू होने से अब तक कुल 3 करोड़ 80 लाख 18 हजार शिवभक्त पवित्र गंगाजल लेकर देश के विभिन्न राज्यों को रवाना हो चुके हैं। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ पटरी मार्ग और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमें 24 घंटे तैनात हैं।

रुस ने भारत को सीधे ट्रेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बाहर निकलने का रास्ता बोस्फोरस और फारस की खाड़ी का मुख्य द्वार होर्मुज जलडमरूमध्य दोनों ही रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील और असुरक्षित हो चुके हैं। अमेरिका और इजरायल से जंग छिड़ने के बाद खाड़ी का रास्ता खतरनाक हो चुका है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार, यह मालगाड़ी मार्ग रूस से शुरू होकर मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के प्रमुख देशों से गुजरेगा। इसका रूट रूस-तुर्कमेनिस्तान-ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान और फिर भारत (हिंद महासागर) होगा। इस रूट के बनने से व्यापारिक जहाजों पर लगने वाला हफ्तों का समय बचेगा और समुद्री पायरेसी और सैन्य नाकेबंदी जैसे खतरों से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी।

'हर घर तिरंगा' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पहले तिरंगा उत्सव में 'सूर्यपथ तिरंगा' के माध्यम से दुनिया भर के भारतीयों को एकजुट करते हुए देखें। इसका हिस्सा बनें। अपने घर पर तिरंगा फहराएं और अपनी सेल्फी अपलोड करें।

धार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने श्रद्धालुओं की वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे तथा स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला।

पटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक में नीचे बताए गए न्यायाधीशों को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की गई है।"

सिफारिश के अनुसार, दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवींद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है। कोलीजियम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की भी सिफारिश की है।इसके अलावा, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में कार्यरत न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा को इसी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। उनका मूल हाईकोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट है।

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. | Applicable T&C available at the dealership. | **As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components.

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908